अखंड राष्ट्रवादी
श्रमिक चित्रपट सेना
ए.एल.सी./ का.-17-11168
फिल्म कामगारों के हक के लिए लड़ने वाला सर्वोच्च संगठन
सदस्यता ग्रहण करने के लिए संपर्क करें
7705858700

द रेड
स्टार न्यूज़
महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली में एक साथ प्रसारित...
आपका अधिकार खबरों के रूप में
RNI. NO. MAHHIN/2010/35947
P.RN.NO.:THW/156/2018-2020

मानव अधिकार से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान एवं सदस्यता ग्रहण करने के लिए संपर्क करें
मानवाधिकार फाउंडेशन
Mob.: 9987585870
Email: nhrf_india@yahoo.com

संपादक- विनोद कुमार सिंह | वर्ष- 15 | अंक- 46 | सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त | 09 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ - 8 | ₹ 2/-

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों पर नजर रख रहा भारत

नई दिल्ली: पश्चिमी एशिया में बढ़ते तनाव के चलते वैश्विक तेल की कीमतों में आए उछाल पर भारत नजर रख रहा है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने यहां एक्सानमोबिल ग्लोबल आउटलुक 2024 में कहा, हम स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। यदि पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ता है तो ऊर्जा की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। हालांकि मुझे विश्वास है कि हम पहले की तरह ही किसी भी स्थिति से निपटने में सक्षम होंगे। ईरानी मिसाइल हमले के बाद यह अनुमान लगाया जा रहा है कि इजरायल ईरान में तेल या परमाणु प्रतिष्ठानों को निशाना बना सकता है। जवाब में तेहरान या तो इजरायल पर सीधा हमला करेगा या होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करके तेल आपूर्ति को बाधित कर सकता है। इससे तेल की कीमतें बढ़ सकती है। ओमान और ईरान के बीच स्थित होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। वैश्विक तेल का पांचवां हिस्सा इस जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। सभी प्रमुख तेल उत्पादक देश (सऊदी अरब, इराक, कुवैत और यूएई) इसके माध्यम से तेल का निर्यात करते हैं। केवल सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के पास ऐसी पाइपलाइनें हैं जो होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर सकती हैं। एक सप्ताह में कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतें 70 डालर प्रति बैरल से बढ़कर 78 डालर प्रति बैरल हो गई हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी ने कहा कि देश बढ़ती ऊर्जा मांगों को पूरा करने के लिए तैयार है।

अरविंद केजरीवाल का कांग्रेस पर तंज
अति आत्मविश्वासी नहीं होना चाहिए

दिल्ली, हरियाणा चुनाव के परिणाम आने लगे हैं. एक बार फिर प्रदेश में बीजेपी सरकार बनने के संकेत मिल रहे हैं. शुरुआती रुझानों में कांग्रेस आगे नजर आ रही थी लेकिन बाद में इसमें उलटफेर हो गया. बीजेपी के बढ़त बनाने के बीच आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को कहा कि चुनाव परिणामों का सबसे बड़ा सबक यह है कि चुनावों में कभी भी अति त्मविश्वासी नहीं होना चाहिए. केजरीवाल ने आप के नगर पार्षदों को संबोधित करते हुए इशारों-इशारों में कांग्रेस पर तंज कसते नजर आएं. उन्होंने कहा कि देखिए, हरियाणा में चुनाव के नतीजे क्या रहते हैं. सबसे बड़ा सबक यही है कि किसी को भी चुनाव में अति आत्मविश्वासी नहीं होना चाहिए. किसी चुनाव को हल्के में नहीं लेना चाहिए. हर चुनाव और हर सीट मुश्किल होती है. आपको बता दें कि हरियाणा में सीट बंटवारे को लेकर मतभेद के कारण आप कांग्रेस के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन करने में विफल रही थी. कांग्रेस द्वारा नौ सीट दिए जाने की उसकी मांग ठुकरा दिए जाने के बाद पार्टी ने राज्य की कुल 90 सीटों में से 89 पर अपने बलबूते चुनाव लड़ा. आप उम्मीदवार लगभग हर सीट पर बीजेपी और कांग्रेस के अपने प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवारों से पीछे हैं. केजरीवाल ने इससे पहले हरियाणा में चुनाव प्रचार के दौरान कहा था कि आप के समर्थन के बिना राज्य में कोई सरकार नहीं बनेगी. अरविंद केजरीवाल ने पार्टी पार्षदों से अगले साल फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए कड़ी मेहनत करने और यह सुनिश्चित करने को कहा कि उनके वार्ड से कूड़े का उचित तरीके से संग्रह और निपटान किया जाए. दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इस (दिल्ली) चुनाव में आपकी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी. हम चुनाव जीतेंगे, बशर्ते आप अपने इलाकों से कूड़े का उचित संग्रह और निपटान सुनिश्चित करें जो एक बहुत ही बुनियादी बात है.

मजबूत और सक्षम वायुसेना की जरूरत - एयरफोर्स चीफ

चेन्नई। वायुसेना प्रमुख एयरचीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने भारतीय वायुसेना से वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इसे पुनः संगठित करने का आह्वान करते हुए कहा कि वैश्विक सुरक्षा का माहौल लगातार बदल रहा है। मौजूदा संघर्षों ने एक मजबूत और सक्षम वायुसेना की आवश्यकता को दर्शाया है। इसलिए भारतीय वायुसेना को हमारे राष्ट्रीय हितों को चुनौती देने वाली किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने की आवश्यकता है। भारतीय वायुसेना (आइएएफ) के 92वें वार्षिक दिवस समारोह पर मंगलवार को यहां के निकट ताम्बरम स्थित वायुसेना स्टेशन पर परेड की समीक्षा करने के बाद एयरचीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने कहा कि नवोन्मेष और लीक से हटकर सोच के साथ नवीनतम प्रौद्योगिकी को अपनाना आज के बहु-क्षेत्रीय वातावरण में निर्णायक भूमिका निभाएंगे। उन्होंने वायुसेना दिवस की थीम भारतीय वायुसेना-सक्षम, सशक्त, आत्मनिर्भर को प्रेरणा स्वरूप बताया। इस बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वायुसेना दिवस पर अपनी शुभकामनाएं वायुसेना और उसके पायलटों को देते हुए उनके अदम्य साहस, व्यवसायिकरण और राष्ट्र की सुरक्षा में भूमिका की सराहना की। उन्होंने एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा कि सभी वीर वायु योद्धाओं को वायुसेना दिवस की शुभकामनाएं। हमारे देश को सुरक्षित रखने में उनकी भूमिका अतुलनीय है।

नई तकनीकों पर राजनाथ सिंह ने दिया जोर

नई दिल्ली: नए दौर के संघर्षों और युद्धों में पारंपरिक तथा आधुनिक हथियारों-गोला बारूद के साथ सिविलियन आइटम और तकनीक को ही हमले का हथियार बनाए जाने की चुनौतियों को देखते हुए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने देश के सरकारी तथा निजी रक्षा उद्योग से इसका गहराई से अध्ययन करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक हथियारों और गोला-बारूद के अलावा कई दोहरे उपयोग या पूरी तरह से नागरिक तकनीक को हथियार बनाया जा रहा है। इसे देखते हुए देश के रक्षा क्षेत्र की प्रगति को इसकी कॉपी करने की बजाय इसे भी आगे बढ़कर विशिष्ट नई तकनीकों की खोज और विकास पर जोर देने की जरूरत बताई जो सेनाओं की आवश्यकताओं से कहीं आगे भविष्य के खतरों से निपटने के लिए फायदेमंद हो। इस दिशा में रक्षा क्षेत्र की मजबूती और आत्मनिर्भरता का लक्ष्य हासिल करने में रक्षा उद्योग को सरकार की ओर से पूरे सहयोग का वादा किया। नागरिक वस्तुओं का हथियार के रूप में इस्तेमाल किए जाने संबंधी रक्षामंत्री की यह टिप्पणी पिछले दिनों इजरायल और लेबनान के बीच संघर्ष के दौरान पेजर के जरिए किए गए श्रृंखलाबद्ध विस्फोटों के संदर्भ में महत्वपूर्ण है। इजरायल ने लेबनान पर अपने हमलों के दौरान संचार के साधन के रूप में इस्तेमाल किए जाने वाले पेजरों में धमाका करा दुनिया को हैरत में डाला दिया था। राजनाथ सिंह ने सोमवार को यहां मानेकशॉ सेंटर में डेफकनेक्ट 4.0 के दौरान आईडीईएक्स (एडीआईटीआई 2.0) चुनौतियों के साथ अभिनव प्रौद्योगिकियों के विकास के दूसरे संस्करण और डिफेंस इंडिया स्टार्ट-अप चैलेंज (डीआईएससी 12) के 12वें संस्करण का आगाज करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि आज हम तरह-तरह के युद्धों और युद्धों की संभावनाओं के बीच जी रहे हैं। इन युद्धों में लगातार नई-नई तकनीक का समावेश हुए चला जा रहा है।

तेजस्वी यादव के 'खाली' बंगले पर बवाल

पटना, सरकारी बंगले की खबर आज बिहार की सियासत में टॉप पर ट्रेंड करती रही. वो बंगला तेजस्वी यादव को तब अलॉट हुआ था, जब वो उपमुख्यमंत्री थे. लेकिन अब तेजस्वी ने वो बंगला खाली कर दिया है. बीजेपी का आरोप है कि तेजस्वी यादव ने बंगला खाली कर दिया है. अब आप कहेंगे कि ये तो एक ही बात हुई लेकिन ये एक ही बात नहीं है. तेजस्वी यादव ने बंगला खाली किया है और वो दूसरे बंगले में शिफ्ट कर गए हैं. लेकिन बीजेपी वाले कह रहे हैं कि तेजस्वी यादव बंगला खाली करते वक्त अपने साथ बंगले का सारा सामान भी ले गए हैं. बीजेपी नेताओं का आरोप है कि पटना के 5 देशरत्न मार्ग बंगले से टोंटी ही नहीं, वॉश बेसिन, बाथ टब, फ्रिज, टीवी, सोफे, बेड और यहां तक कि बिजली के स्विच तक गायब हैं. तेजस्वी यादव ने बंगला छोड़ते वक्त पूरा का पूरा बंगला.. एकदम खाली कर दिया है. अब इस बंगले में बिहार के मौजूदा उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शिफ्ट होंगे. क्या बीजेपी के आरोपों में वाकई सच्चाई है. क्या वाकई तेजस्वी यादव.. बंगले का सारा सामान अपने साथ लेकर चले गए. इसे जानने के लिए ज़ी न्यूज़ की टीम ने 5 देशरत्न मार्ग वाले बंगले का 360 डिग्री इंस्पेक्शन किया है. जिसकी रिपोर्ट आपको बताते हैं. पटना में देशरत्न मार्ग पर 5 नंबर सरकारी बंगला, जिस पर एड्रेस प्लेट लगी हुई है. सरकारी बंगले का मेन गेट सही सलामत है. लेकिन बंगले में घुसते ही बड़े से बगीचे में लगा फव्वारा गायब है. कैंपस में ही बैडमिंटन कोर्ट है. ऐसा लगता है यहां कारपेट निकालने की पूरी कोशिश की गई है. बिजली के प्लग निकालने में काफी मेहनत की गई है. एसी भी उतारकर ले जाए जा चुके हैं. मुख्य बंगले में पुराना फर्नीचर बाहर ही पड़ा छोड़ दिया गया है. अंदर का हाल भी बता रहा है कि कीमती सामान हटा लिया गया है. बीजेपी का आरोप है कि वर्ष 2017 में इस बंगले के अंदर 36 एसी लगे थे. लेकिन अब एक भी एसी नहीं लगा है. ज़ी न्यूज़ की टीम ने एसी की खोज में पूरे बंगले को छान मारा. पूरे बंगले में एसी के निशान तो दिखे लेकिन एसी नहीं दिखा. हां एक हाइटेक डबल बेड का सिरहाना जरूर दिखा.

साइबर क्राइम को कैसे किया जा सकता खत्म? सरकार कर रही प्लानिंग

नई दिल्ली। साइबर अपराध और डिजिटल अरेस्ट के जरिए होने वाली धोखाधड़ी के प्रति लोगों को सचेत और सावधान करने के लिए सरकार और कानून लागू करने वाली एजेंसियां एड़ी चोटी का जोर लगा रही है। विज्ञापनों और प्रचार माध्यमों से बताया जा रहा है कि लोग डरें नहीं पुलिस किसी को डिजिटली अरेस्ट नहीं करती। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि बात इतने से नहीं बनेगी। साइबर क्राइम के बढ़ते मामलों पर लगाम लगाने के लिए अपराधियों को कड़ी सजा देने के साथ ही जिन फर्जी सिमों से फोन किये जाते हैं और जहां खाते खुल रहे हैं, पैसे निकल रहे हैं उन सर्विस प्रोवाइडरों जैसे टेलीकाम कंपनियों और बैंकों पर जिम्मेदारी डालने की जरूरत है। विशेषज्ञ मानते हैं कि बैंक और सर्विस प्रोवाइडरों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। साइबर क्राइम से निबटने के लिए प्रक्रिया की खामियों को दूर करके ही इस पर नकेल कसी जा सकती है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में साइबर क्राइम एंड एआइ के स्पेशल मानीटर और पूर्व आइपीएस मुक्तेश चंदर इससे निपटने का तरीका बताते हैं। वह कहते हैं कि अपराध के दो महत्वपूर्ण घटक हैं पहला सिम कार्ड और दूसरा बैंक खाता, ये दोनों जहां से जारी हो रहे हैं उन सर्विस प्रोवाइडरों पर जवाबदेही डाली जानी चाहिए क्योंकि कहीं न कहीं उनके लोग इसमें शामिल होते हैं। ये इस अपराध के दो हथियार हैं इन पर रोक लगाने से अपराध पर रोक लग सकती है। नियमतः एक नाम पर दस सिम जारी हो सकते हैं।

मुइज्जू की तो बल्ले-बल्ले हो गई! भारत आकर मिलीं ऐसी सौगात

मालदीव, भारत और मालदीव के बीच रिश्तों की खटास अब मिटने के संकेत मिल रहे हैं. दोनों देशों के रिश्तों को अच्छा बनाने के लिए सोमवार को 40 करोड़ डॉलर की मुद्रा अदला-बदली की डील हुई है. इसके साथ ही बंदरगाह, सड़क नेटवर्क, स्कूल और आवास परियोजनाओं के निर्माण के लिए सहयोग बढ़ाने पर सहमति भी जतायी गई. पीएम मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने मालदीव में रूपे कार्ड भी जारी किया. इतना ही नहीं हनीमाधू इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर नये रनवे को हरी झंडी दिखाई गई और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति जतायी गई. याद दिला दें कि पिछले साल दोनों देशों के बीच रिश्तों में खटास आई थी. पांच दिन के राजकीय दौरे पर आए मुइज्जू ने यहां हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत की. मालदीव के राष्ट्रपति को चीन के प्रति नरम रुख रखने के लिए जाना जाता है और पिछले साल नवंबर में शीर्ष पद के लिए चुने जाने के बाद उन्होंने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए तुर्किये को चुना था. दोनों पक्ष व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी के लिए एक दृष्टिकोण पर भी सहमत हुए. यह एक दस्तावेज है जो

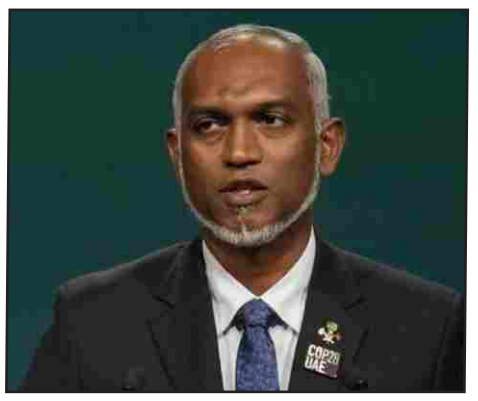

सहयोग के विभिन्न पहलुओं को शामिल करता है. बातचीत के बाद भारत ने मालदीव को 70 सामाजिक आवास भी सौंपे. इसका निर्माण एक्जिम बैंक (भारतीय निर्यात-आयात बैंक) की खरीदार कर्ज सुविधा के तहत किया गया है. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कुछ समय पहले हमने मालदीव में रूपे कार्ड पेश किया. आने वाले समय में हम भारत और मालदीव को यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) से जोड़ने की दिशा में काम करेंगे.

ISRO जापान के साथ मिलकर करेगा चांद फतह
पांचवें मिशन LUPEX को मिली अंतरिक्ष आयोग की मंजूरी

नई दिल्ली। अपने पिछलों मिशनों में चांद फतह कर चुका इसरो अब चंद्रमा पर और बड़े स्केल पर मिशन की तैयारी में है। इसी दिशा में इसरो के महत्वाकांक्षी लूपेक्स मिशन को राष्ट्रीय अंतरिक्ष आयोग की मंजूरी मिल चुकी है। लूनर पोलर एक्सप्लोरेशन मिशन या लूपेक्स को इसरो जापानी अंतरिक्ष एजेंसी, जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी के साथ पूरा करेगा। गौरतलब है कि यह इसरो का पांचवां चंद्रमा मिशन होगा। चंद्रयान 3 की सफलता के बाद अब इसरो चंद्रयान 4 की तैयारियों में लगा हुआ है। इस बीच पांचवें मिशन की भी मंजूरी मिल गई है। अब इस मिशन को कैबिनेट से मंजूरी दी जानी है। इसके बाद मिशन का रास्ता साफ हो जाएगा। इसरो का कहना है कि वह चंद्रयान मिशन की एक पूरी सीरीज बनाना चाहता है, जिससे ऐसी क्षमता विकसित की जा सके कि भविष्य में इंसानों को सफलतापूर्वक चांद पर ले जाया और वापस लाया जा सके। बात करें लूपेक्स मिशन के तो इसके तहत इसरो लैंडर का विकास

करेगा, जबकि जापान की एजेंसी जाक्सा रोवर बनाएगी। यह रोवर अपने साथ इसरो और जाक्सा के उपकरणों के साथ-साथ नासा और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के उपकरण भी साथ लेकर जाएगा। मिशन के माध्यम से चंद्रमा पर स्थायी गतिविधियों के लिए आधार बनाने के उद्देश्य से ध्रुवीय इलाके की खोज की संभावना का भी पता लगाया जाएगा। साथ ही चांद की सतह पर जल संसाधन की मौजूदगी को लेकर भी जानकारी हासिल की जाएगी।

किसानों की आवाज बुलंद करने वाले गुरनाम सिंह चढ़ूनी की बुरी हार ?

हरियाणा, हरियाणा की सत्ता में बीजेपी लगातार तीसरी बार काबिज होती दिख रही है. अभी तक के नतीजों और सीटों पर बढ़त के लिहाज से कहा जा सकता है कि एक बार फिर हरियाणा में बीजेपी की सरकार बनने जा रही है. बीजेपी हरियाणा की पिहोवा सीट पर हार जरूर गई है. मगर, किसानों की आवाज बुलंद करने वाले गुरनाम सिंह चढ़ूनी को भी इस सीट पर जीत नहीं मिली है. उनकी बुरी हार हुई है. चढ़ूनी को महज 1 हजार 170 वोट मिले हैं. इस सीट पर कांग्रेस के मनदीप चट्ठा ने जीत दर्ज की है. हरियाणा चुनाव के अब तक आए रुझानों और नतीजों को लेकर बीजेपी में गजब का उत्साह देखने को मिल रहा है. पार्टी मुख्यालय में जश्न की शुरुआत हो गई है. पार्टी नेता और कार्यकर्ता एक-दूसरे को लड्डू खिला रहे हैं और जश्न मना रहे हैं. बीजेपी महासचिव विनोद तावड़े, सुधांशु त्रिवेदी, अनिल बलूनी और पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की. सूत्रों का कहना है कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने मंगलवार शाम पार्टी महासचिवों की एक बैठक बुलाई है. इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी भी पार्टी मुख्यालय पहुंच सकते हैं. पीएम कार्यकर्ताओं को संबोधित भी कर सकते हैं. हरियाणा में बीजेपी के प्रदर्शन को लेकर बीजेपी शासित राज्यों में भी खुशी की लहर है. मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की भी प्रतिक्रिया आई है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस की हार अध्यक्ष राहुल गांधी के असफल नेतृत्व का प्रमाण है. कांग्रेसी भी उनको अपना नेता नहीं मानते हैं. हरियाणा में प्रचार करते वक्त मैंने कहा था कि राहुल तीसरी बार असफल होंगे. लोगों को मालूम है कि कांग्रेसियों को उनका नेतृत्व पसंद नहीं है. हरियाणा के नतीजे पीएम मोदी के नेतृत्व और डबल इंजन सरकार के विकास एजेंडे में लोगों के भरोसे को दर्शाता है.

संपादकीय

कैसे बनेंगे शहर बुजुर्गों के लायक

भारत एक साथ शहरीकरण और वृद्धावस्था की ओर तेजी से बढ़ रहा है। समय, स्थान और परिवेश के अनुसार जनसांख्यिकी और सामाजिक-आर्थिक कारक जनसंख्या के ढांचे को बदलने का कारण बन रहे हैं। अनुमान है कि 2036 तक भारत की 40 प्रतिशत आबादी शहरों में निवास कर रही होगी। वहीं बुजुर्गों की आबादी 2050 तक दोगुनी होकर कुल आबादी का लगभग 20 प्रतिशत हो जाएगी। 2011 की जनगणना के अनुसार वृद्ध महिलाओं की संख्या 7.10 करोड़ और वृद्ध पुरुषों की संख्या 6.70 करोड़ थी। 2050 तक वृद्ध महिलाओं की संख्या वृद्ध पुरुषों से एक करोड़ 84 लाख अधिक हो जाने का अनुमान है। महिलाएं आमतौर पर अपने पतियों से अधिक समय तक जीवित रहती हैं। इसका कारण चाहे जीवन प्रत्याशा में वृद्धि हो या फिर पति-पत्नी के बीच उम्र का अंतर। पुरुष सौभाग्यशाली होते हैं कि उन्हें बुढ़ापे में जीवनसाथी का साथ मिलता है, वहीं पत्नियों और विधवाओं को खुद ही अपना ख्याल रखना पड़ता है। उन्हें अपने बेटों पर निर्भर रहना पड़ता है, बुढ़ापे में भी काम करना पड़ता है या वे सरकारी मदद पर निर्भर होती हैं। दुर्भाग्य से महिलाओं के जीवन का यह हिस्सा अक्सर खराब स्वास्थ्य, बुढ़ापे की शारीरिक लाचारी, देखभाल का बोझ, निरक्षरता, गरीबी, बढ़ती आर्थिक निर्भरता, सामाजिक दूरी, बुजुर्गों से दुर्व्यवहार और लैंगिक भेदभाव के साथ बीतता है। एक अदृश्य तथ्य यह है कि पति की मृत्यु के बाद महिलाएं लंबे समय तक अकेले रहती हैं। भारत में लगभग 1.5 करोड़ वृद्ध लोग अकेले रहते हैं और उनमें से अधिकांश महिलाएं हैं। अकेले रहने का चुनाव और अकेले रहने के लिए मजबूर होना, दोनों में अंतर है और इसमें बाद की स्थिति अधिक अहम और चिंता का विषय है। पश्चिम देशों के विपरीत, भारत लंबे समय तक अपनी अधिसंख्य आबादी के लाभदायक रोजगार तक पहुंचने और बुढ़ापे के लिए बचत करने में सक्षम होने से पहले ही बूढ़ा हो रहा है। वृद्धावस्था की गरीबी, शहरी और ग्रामीण भारत में एक वास्तविकता है और यह तत्काल नीतिगत चिंता का विषय है। अधिकांश विकासशील देशों में यह धारणा है कि उनके वृद्ध लोग कार्य या पेंशन बचत से आत्मनिर्भर होंगे या अपनी संतानों से सहायता प्राप्त करेंगे। पर मौजूदा सार्वजनिक नीतियां प्रायः संतानोचित सहायता प्रणालियों को प्रोत्साहित करने या वृद्धों को लंबे समय तक लाभकारी काम की गारंटी देने में विफल रही हैं। जहां कुछ देशों ने बुजुर्गों के लिए सार्वभौमिक पेंशन प्रदान करने का निर्णय लिया है, वहीं भारत ने साधन-संपन्न गैर-योगदान वाली पेंशन को चुना है। हालांकि कवरेज की सीमा और महंगाई के कारण पेंशन का मामूली साबित होना वैध चिंताएं हैं। वर्तमान में विधवा पेंशन के लिए आयु सीमा 65 वर्ष है। इसे बीपीएल आय समूह में जीवन प्रत्याशा और विपन्न जीवन के बीते वर्षों के साथ सुसंगत करने की आवश्यकता है। चूंकि पेंशन की राशि बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए बेहद कम होती है, इसलिए अधिकांश वृद्ध सक्षम रहने तक अक्सर कठिन परिस्थितियों में काम करना जारी रखते हैं और वर्तमान नीति अत्यधिक कमजोर वृद्ध लोगों को काम से विराम दिलाने में विफल है।

पत्रकारों की स्वतंत्रता को बल देती सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में प्रेस की स्वतंत्रता एक मौलिक जरूरत है। आज हम एक ऐसी दुनिया में जी रहे हैं, जहाँ अपनी दुनिया से बाहर निकल कर आसपास घटित होने वाली घटनाओं के बारे में जानने का अधिक वक्त हमारे पास नहीं होता।

सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी में शुक्रवार को कहा कि पत्रकारों के विरुद्ध सिर्फ इसलिए आपराधिक मामला नहीं दर्ज किया जाना चाहिए क्योंकि उनके लेखन को सरकार की आलोचना के रूप में देखा जाता है। जस्टिस हृषिकेश राय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ने कहा कि लोकतांत्रिक देश में विचार व्यक्त करने की आजादी का सम्मान किया जाना चाहिए और संविधान के अनुच्छेद-19(1)(ए) के तहत पत्रकारों के अधिकार सुरक्षित किए गए हैं। सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट ने यह कहकर सत्ताधीशों को आईना ही दिखाया है कि सरकार की रीति-नीतियों व निर्णयों की आलोचना करना पत्रकारों का अधिकार है। यह टिप्पणी उन पत्रकारों के लिये जहां राहतकारी है, वही पत्रकारिता को अधिक निडर, निर्भीक एवं बेवाक तरीके से अपना धर्म को निभाने को प्रेरित करती है। असल में विभिन्न राज्यों में विभिन्न राजनीतिक दलों की सरकारों के खिलाफ मुखर आलोचनात्मक होने पर पत्रकार दमन का शिकार बने हैं। कई राज्यों में उनकी गिरफ्तारी भी हुई, मारपीट हुई और गंभीर धाराओं में गिरफ्तारी दिखायी गई। कई पत्रकारों के संदिग्ध परिस्थितियों का शिकार बनने की खबरें भी यदा-कदा आती रहती हैं। यहां तक कि कुछ पत्रकारों पर उन धाराओं में मुकदमे दर्ज किये जाते हैं, जो कि राष्ट्र विरोधी तत्वों के खिलाफ दर्ज होते हैं। हद तो तब हो जाती है जब मुकदमें गैरकानूनी गतिविधियां निवारण अधिनियम के तहत भी दर्ज होते हैं। ऐसे मामलों में पत्रकारों की जमानत कराना भी टेढ़ी खीर बन जाती है। निश्चित तौर पर ऐसे कदम पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से प्रेरित होकर ही उठाये जाते हैं। निश्चय ही उन निर्भीक पत्रकारों के लिये सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी सुकून देने वाली है, जो राजनीतिक दुराग्रह एवं पूर्वाग्रह के शिकार बने हैं। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में प्रेस की स्वतंत्रता एक मौलिक जरूरत है। आज हम एक ऐसी दुनिया में जी रहे हैं, जहाँ अपनी दुनिया से बाहर निकल कर आसपास घटित होने वाली घटनाओं के बारे में जानने का अधिक वक्त हमारे पास नहीं होता। ऐसे में पत्रकार विभिन्न संकटों को झेलते हुए हमारे लिए एक खबर वाहक का काम करते हैं। पत्रकार केवल खबरे पहुंचाने का ही माध्यम नहीं है बल्कि यह नये युग के निर्माण और जन चेतना के उद्बोधन एवं शासन-प्रशासन के प्रति जागरूक करने का भी सशक्त माध्यम है। पत्रकार देश की राजनीति, सरकारों और उसके लिए आवश्यक सदाचार का माध्यम रही है। हिंसा, विपत्तियां और भ्रष्टाचार को लेकर भी अनेक पक्ष उसने समय-समय पर प्रस्तुत किये हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश में एक पत्रकार के विरुद्ध दर्ज मुकदमे की सुनवाई के दौरान की, उसने लोकतांत्रिक देश में विचार व्यक्त करने की आजादी का सम्मान किये जाने की बात कहकर पत्रकारों को अधिक प्रखर, निष्पक्ष एवं तीक्ष्ण होकर अपना धर्म निभाने का रास्ता साफ किया है। देखना है कि अदालत के इस फैसले का सरकारों एवं राजनीतिक दलों पर कितना असर होता है? अक्सर नेता, अधिकारी एवं मंत्री आलोचना बर्दाश्त न करके मीडियाकर्मियों के खिलाफ आक्रामक हो जाते हैं। अक्सर वे अपनी ताकत का इस्तेमाल करते हुए पत्रकारों को दबाने एवं अपनी शर्तों पर पत्रकारिता कराने को बाध्य करते हैं। लोकसभा चुनाव के बाद ऐसी ही आक्रामकता राहुल गांधी में देखने को मिली जब उन्होंने प्रेस वार्ता में एक महिला पत्रकार को बेहूदे तरीके से किसी पार्टी विशेष की पक्षधर होने का आरोप लगाया, इसी तरह अखिलेश यादव ने भी एक पत्रकार को भला-बूरा कहा। ये दृश्य समूचे देश ने देखें।

यह एक स्वस्थ, आदर्श एवं जागरूक लोकतंत्र राष्ट्र के लिये अच्छा है कि अदालतें समय-समय पर अभिव्यक्ति की आजादी को संबल प्रदान करते हुए निर्भीक एवं स्वतंत्र पत्रकारिता को बल देती रही है। लेकिन विडंबना है कि आजादी के सात दशक बाद भी हमारे राजनेता एवं सरकारें रह-रहकर पत्रकारों को डराने-धमकाने से बाज नहीं आते। हम देश में आम जनमानस को भी इतना जागरूक एवं सतर्क नहीं कर पाये कि वे अपने निष्पक्ष सूचना पाने के अधिकार के प्रति जागरूक हो सकें। यही वजह है कि सच्चाई से पर्दा उठाने की कोशिश में वह निर्भीक पत्रकार के बचाव में खड़े नजर नहीं आते। वे ध्यान नहीं रखते कि उनके हित से जुड़ा कुछ सच सत्ताधीश छुपाना चाहते हैं। गलत नीतियां एवं भ्रष्टाचार इसीलिये पनपता है। राजनेता सत्ता की सुविधा के लिये मनमाफिक प्रचार तो चाहते हैं, लेकिन अपने दागों, भ्रष्ट आचरण एवं गलत नीतियों से जुड़े सच को सात पर्दों में रखना चाहते हैं। निस्संदेह, सजग, सतर्क और निर्भीक पत्रकार एक सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाकर सत्ताधीशों को राह ही दिखाता है। यही कारण है कि पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना गया है। अकबर इलाहाबादी ने इसकी ताकत एवं महत्व को इन शब्दों में अभिव्यक्ति दी है कि 'न खींचो कमान, न तलवार निकालो, जब तोप हो मुकाबिल तब अखबार निकालो।' उन्होंने इन पंक्तियों के जरिए प्रेस को तोप और तलवार से भी शक्तिशाली बता कर इनके इस्तेमाल की बात कह गए हैं। अर्थात कलम को हथियार से भी ताकतवर बताया गया है। पर खबरनवीसों की कलम को तोड़ने, उन्हें कमजोर करने एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को निस्तेज करने के लिए बुरी एवं स्वार्थी ताकतें सत्ता, तलवार और तोप का इस्तेमाल कर रही हैं। लेकिन तलवार से भी धारदार कलम इसीलिये इतनी प्रभावी है कि इसकी वजह से बड़े-बड़े राजनेता, उद्योगपतियों और सितारों को अर्श से फर्श पर आना पड़ा। पत्रकार कई संकटों का सामना कर रहे हैं संघर्ष और हिंसा, आतंक एवं अलगाव, युद्ध एवं राजनीतिक वर्चस्व, गरीबी एवं बेरोजगारी, लगातार सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ, पर्यावरणीय संकट और लोगों के स्वास्थ्य और भलाई के लिए चुनौतियाँ आदि जटिलतर स्थितियों के बीच पत्रकार की महत्वपूर्ण भूमिका है। लोकतंत्र, कानून के शासन और मानवाधिकारों को आधार देने वाली संस्थाओं पर गंभीर प्रभाव के कारण ही यह भूमिका महत्वपूर्ण है।

जनता ने मोदी और बीजेपी को सिखाया सबक!

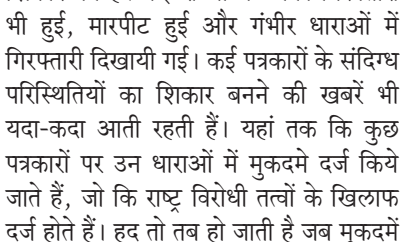

जम्मू, कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने जम्मू-कश्मीर के चुनावी नतीजों का हवाला देते हुए कहा कि घाटी की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी को करारा सबक सिखाया है। उन्होंने कहा, चुनाव दो जगह हुए, एक जम्मू-कश्मीर और दूसरा हरियाणा। जम्मू-कश्मीर में लोगों ने हमें सहर्ष स्वीकार किया, तो वहीं भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रतिकार किया। घाटी की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खारिज कर दिया। घाटी की अस्मिता पर जिस तरह से आप लोगों (भाजपा) ने प्रहार किया, उसका जवाब जम्मू ने भी दिया और कश्मीर ने भी। जिस तरह से जम्मू-कश्मीर में हथकंडे अपनाए जा रहे थे, पांच विधायक बढ़ाए जा रहे थे, उन सभी चीजों को देखते हुए घाटी की जनता ने इन लोगों को करारा सबक सिखाया है। सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, मैं समझती हूं कि यह बड़ी बात है कि घाटी की जनता ने कांग्रेस को लेकर ऐसा रिएक्शन दिया है। दस साल बाद वहां पर चुनाव हुए और लोगों ने हमें सहर्ष स्वीकार किया। कांग्रेस नेता ने हरियाणा के रुझानों को लेकर भी अपनी बात रखी। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि हरियाणा को लेकर मेरा मानना है कि पिक्चर अभी-भी बाकी है। पिक्चर वक्त के साथ क्लियर होगा। डेटा अभी थोड़ा स्लो चल रहा है, लेकिन हरियाणा में उस तरह से हमें प्रचंड बहुमत हासिल होता हुआ नहीं दिख रहा है, जिसकी हमें उम्मीद थी।

कांग्रेस ने लोकसभा-विधानसभा चुनावों में 585 करोड़ रुपए खर्च किए

दिल्ली, लोकसभा चुनाव 2024 और आंध्र, अरुणाचल, ओडिशा, सिक्किम विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने 585 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। पार्टी ने 20 मार्च से 1 जून तक हुए कुल 5 चुनावों के खर्च का ब्योरा चुनाव आयोग को सौंपा है। रिपोर्ट में कांग्रेस ने बताया कि 585 करोड़ में से 410 करोड़ रुपए ऐड और मीडिया कैंपेन पर खर्च किए गए हैं। वहीं 46 करोड़ रुपए सोशल मीडिया और ऐप के वर्चुअल कैंपेन के लिए खर्च किए गए हैं। दरअसल सभी पार्टियों को अपना चुनावी खर्च का ब्योरा चुनाव आयोग को रिजल्ट घोषित होने के 75 से 90 दिनों के अंदर देना होता है। समय सीमा खत्म होने पर भी जब पार्टियां जानकारी नहीं देती है तो चुनाव आयोग पार्टियों को नोटिस भेजता है, जिसका पार्टियां महीनों तक जवाब नहीं देती हैं। लोकसभा चुनाव के रिजल्ट की घोषणा 4 जून को हुई थी। मंगलवार 8 अक्टूबर को 124 दिन हो चुके हैं। अभी तक कांग्रेस के अलावा किसी अन्य पार्टी ने अपना चुनावी खर्च नहीं बताया है। कांग्रेस ने बैनर-पोस्टर पर खर्च किए 68 करोड़ रुपए चुनाव आयोग को सौंपी रिपोर्ट में कांग्रेस ने बताया कि एड और मीडिया कैंपेन में 410 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। इनमें से पोस्टर, बैनर, होर्डिंग और अन्य पब्लिसिटी मटेरियल के लिए 68.2 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं।

प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र में मिलीं नकली दवाइयां?

एटा, यूपी के एटा में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र पर एक साथ हाथरस और अलीगढ़ के ड्रग इंस्पेक्टर ने छापा मारा. इसमें जन औषधि केंद्र से नकली दवाइयां मिली हैं. दो जिलों की संयुक्त टीम की कार्रवाई में कई बोरियां भरकर नकली दवाइयां बरामद हुई हैं. बताया जा रहा है कि काफी समय से लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने की शिकायत मिल रही थी. जिस पर हाथरस के ड्रग इंस्पेक्टर राजकुमार शर्मा और अलीगढ़ के ड्रग इंस्पेक्टर दीपक लोधी की टीमों ने जन औषधि केंद्र रेड मारी. एटा जिले के अलीगंज के मेन बाजार में संतोष कुमार गुप्ता का प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र संचालित है. इस मेडिकल स्टोर में जन औषधि दवाइयों के अलावा अन्य दवाएं भी बिक्री की जा रही थीं. इसकी शिकायत लगातार ड्रग विभाग को मिल रही थी, जिस पर सोमवार की शाम को हाथरस और अलीगढ़ के ड्रग इंस्पेक्टर की टीम ने छापा मारा. छापेमारी में जन औषधि केंद्र से कई बोरियां नकली दवाइयां बरामद हुई हैं, बरामद दवाइयों को टीम साथ ले गई. हाथरस के ड्रग इंस्पेक्टर राजकुमार शर्मा ने बताया कि इस केंद्र पर नकली दवाइयों की बिक्री की लगातार शिकायत मिल रही थी. इनकी सप्लाई आगरा तक बताई जा रही है. छापेमारी में कई जन औषधि के अलावा दूसरी कंपनियों की दवाइयां भी मिली हैं. इन सभी दवाइयों को जब्त कर लिया गया. पहले इनकी जांच कराई जाएगी, इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी.

इजरायल के बाद अब कौन बनने वाला है लेबनान के लिए नई आफत?

लेबनान, इजरायल बीते कई दिनों से ईरान पर हमला कर रहा है इसकी वजह से लेबनान की स्थिति बहुत खराब होती जा रही है. पहले से इजरायल हवाई हमला कर रहा था, लेकिन वह कुछ दिनों से जामिनी आक्रमण पर भी आ गया है. इस वजह से लेबनान में दोहरी मुसीबत आन पड़ी है. पहले तो वह इजरायल की सेना से परेशान था अब वहां हेल्थ सेक्टर सबसे बड़ा मुद्दा हो गया है, जिस वजह से लेबनान दोहरे मोर्चे पर घिर गई है. WHO ने लेबनान में संभावित बीमारी के फैलने की चेतावनी दी है. WHO के एक अधिकारी ने कहा है कि शेल्टरों में भीड़-भाड़ की स्थिति और अस्पताल बंद होने के कारण प्रकोप हो सकता है. दरअसल WHO के लेबनान के डेप्युटी इवेंट मैनेजर इयान क्लार्क ने बेरूत से वीडियो लिंक के ज़रिए जिनेवा समाचार सम्मेलन में कहा कि हम ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, जहां डायरिया, हेपेटाइटिस ए जैसे बीमारियों के बढ़ने का खतरा बहुत ज्यादा है,यह ऐसी बीमारियां है जिसे वैक्सीन के माध्यम से रोका जा सकता है. क्लार्क ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने पहले ही चेतावनी दी है कि सिस्टम पर बहुत ज्यादा दबाव है और अब तक देश

में पांच अस्पताल बंद हो चुके हैं और चार केवल अधूरे रूप से काम कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि अस्पताल इसलिए बंद किए गए हैं क्योंकि चिकित्सक या तो लड़ाई से भाग गए हैं या लेबनानी अधिकारियों ने उन्हें खाली करने के लिए कहा है. इजरायली सेना ने लेबनान के दक्षिण-पश्चिम में ग्राउंड ऑपरेशन शुरू कर दिया है, जिससे ईरान समर्थित समूह हिज़बुल्लाह के साथ एक साल से चल रहा संघर्ष और बढ़ गया है, जिसने पिछले दो हफ़्तों में 1,000 से ज़्यादा लोगों की जान ले ली है और बड़े पैमाने पर पलायन शुरू कर दिया है.

जॉन हॉपफील्ड-ज्योफ्री हिंटन ने जीता फिजिक्स में नोबेल पुरस्कार

2024 में भौतिकी के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार की घोषणा हो चुकी है. इस बार यह पुरस्कार एआई के गॉडफादर कहे जाने वाले जैफ्री ई. हिंटन और जॉन जे. होपफील्ड को मिला है. इन्हें यह पुरस्कार मशीन लर्निंग के क्षेत्र में नई तकनीकों के विकास के लिए दिया गया है, जो आर्टिफिशियल न्यूरॉन्स पर आधारित हैं. इन तकनीकों को आज की शक्तिशाली मशीन लर्निंग की नींव माना जाता है. जॉन होपफील्ड ने एक ऐसी एसोसिएटिव मेमोरी विकसित की है, जो डेटा के रूप में फोटो और अन्य पैटर्न को इकट्ठा करके उन्हें फिर से बना सकती है. वहीं जैफ्री हिंटन ने एक ऐसी तकनीक खोजी है, जो खुद किसी डेटा की गुणवत्ता पहचान सकती है. इस तकनीक की मदद से मशीनें किसी भी तस्वीर को देखकर उसकी विशेषताओं का पता लगा सकती हैं. इन दोनों वैज्ञानिकों के प्रयासों से मशीनों को इंसानी दिमाग की तरह सोचने और समझने में मदद मिलेगी. जेफ्री हिंटन ने जिस मशीन लर्निंग के लिए नोबेल पुरस्कार जीता है, उन्होंने उसी के उन्नत रूप, एआई को मानवता के लिए एक संभावित खतरा बताया था. इसी कारण उन्होंने गूगल से इस्तीफा भी दे दिया था. अपने एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि

भविष्य में एआई के कारण बड़ी संख्या में नौकरियां खत्म हो जाएंगी और समाज में मिस इन्फॉर्मेशन का प्रसार तेज हो जाएगा, जिसे रोकना मुश्किल होगा. जब नोबेल पुरस्कार की घोषणा की गई तो कमेटी ने कहा कि दोनों वैज्ञानिकों ने दुनिया को कंप्यूटर का इस्तेमाल करने का एक नया तरीका सिखाया है. इस पुरस्कार की घोषणा रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंस ने स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में की. इसके तहत दोनों विजेताओं को 8 करोड़ रुपए की राशि दी जाएगी, जिसे दोनों में बांटा जाएगा. इससे पहले 2023 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार पियरे ऑगस्टिनी, फेरेंस क्रॉउस और एनी हुलियर को मिला था.

हरियाणा में जीरो हुए चंद्रशेखर ...!

हरियाणा, हरियाणा विधानसभा के कुरुक्षेत्र में सियासी जमीन तलाशने निकले चंद्रशेखर सियासी पिच पर जीरो पर आउट हो गए. उनका वहां खाता तक भी नहीं खुला. गठबंधन की जिस नाव पर सवार होकर वो हरियाणा को पार करने निकले थे वो नाव बीच में ही डूब गई. क्या है इसके पीछे की वजह और कहां रह गई कमी इसी का हम खुलासा कर रहें हैं. आजाद समाज पार्टी के मुखिया और नगीना लोकसभा से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने दुष्यंत चौटाला से गठबंधन कर 20 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी की थी, लेकिन आखिर में केवल और केवल 13 सीट पर ही प्रत्याशी मैदान में उतार सके. यूं तो पूरी ताकत झोंकी लेकिन वहां माहौल कुछ और ही था, जिसे भांप नहीं पाए. चूंकि दुष्यंत चौटाला हरियाणा की सियासत के पुराने खिलाड़ी हैं, जबकि चंद्रशेखर आजाद हरियाणा में नए खिलाड़ी थे.

द रेड स्टार न्यूज को
अनुभवी संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनिधि
की आवश्यकता है
इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
9820361619
vinod143singh@gmail.com

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि द रेड स्टार न्यूज के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति अगर किसी भी तरह का व्यवहार करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपक कर लें.
9820361619/ 9987585870

मालिक, मुद्रक व प्रकाशक : विनोद कुमार सिंह द्वारा एस. आर. प्रिंटिंग प्रेस, वैशाली नगर, दहिसर पूर्व, मुंबई 68 से मुद्रित किया तथा 09 विभाकों बिल्डिंग, मामलेतदार वाडी, मालाड (पश्चिम), मुंबई 400 064 से प्रकाशित.

• संपादक- विनोद कुमार सिंह • प्रबंध संपादक : मोती रहमान शेख • सहायक संपादक : सुरेश पांढरे

+91-22 28881212 मो. 9987585870
Email-editor@theredstarnews.com, info@theredstarnews.com
RNI No.: MAHHIN/2010/35947
सभी विवादों के निपटारे के लिए न्याय क्षेत्र मुंबई होगा.
पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.

ठाणे कार्यालय :
D-405, ओमसाईं इंक्लेव, को.हॉ.सो. पूनम सागर, मीरा रोड (पूर्व), ठाणे.
संपर्क- 9987585870/9820361619
vinod143singh@gmail.com

आर/उत्तर मनपा में अवैध निर्माण की सुनामी !

मुंबई आर/उत्तर मनपा विभाग में हुए भ्रष्टाचार की कब होगी जांच-पड़ताल?

अवैध निर्माण माफियाओं का सरदार ! जूनियर अभियंता चंद्रकांत फड़तरे...

भूषण गगराणी
(मुंबई मनपा आयुक्त)

दहिसर। मुंबई मनपा के आर/उत्तर विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ मीडिया में लगातार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी मनपा आयुक्त एवं संबंधित अधिकारियों के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। ऐसा लगता है कि जैसे आर/उत्तर मनपा व मनपा में काबिज संबंधित अधिकारियों के भी हाथ भ्रष्टाचार की चाशनी में सने हुए हैं। आर/उत्तर के इमारत एवं कारखाना विभाग में हुए भ्रष्टाचार पर कार्रवाई न होना ये दर्शाता है कि भ्रष्टाचार के मुद्दे पर चुनाव जीतने वाली भाजपा सरकार भी फेल हो गई है। अब तो ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे शासन-प्रशासन का भी हाथ इस भ्रष्टाचार की चाशनी में सना हुआ हो। यही वजह है कि आज हमारे देश के राजनेताओं, पूंजीपतियों, बिल्डरों सरकारी अफसरों की इमेज हद से ज्यादा खराब, अविश्वसनीय और देश तथा जनता को लूटकर खाने वाली बिरादरी की बन गई है। आए दिन इन लोगों के खिलाफ मीडिया में भ्रष्टाचार की खबरें छपने के बाद भी न ही सरकार को इसकी चिंता है न ही बड़े-बड़े अधिकारियों को। पिछले कुछ सालों में भ्रष्टाचार सार्वजनिक चर्चा का हिस्सा बनने के बावजूद हकीकत यह है कि भ्रष्टाचार देश का सबसे गंभीर रोग है, जिससे सबसे ज्यादा प्रभावित आम लोग होते हैं। बिना लेन-देन के कहीं भी, किसी भी विभाग में कोई काम नहीं होता। फिर चाहे वह नगरपालिका हो, कलेक्टर आफिस हो, पुलिस विभाग या मंत्रालय हो। देश-प्रेम और जनसेवा के शब्द लिखे बोर्ड तो दिखते हैं लेकिन स्टोरी सीरियल की तरह जैसे सारे हथकंडे और तिकड़म अपनाई जाती है। यही हाल मनपा विभाग में व्याप्त है। उसी भ्रष्टाचार की कड़ी मे महानगरपालिका के कई अधिकारी जेल जा चुके है। मिली जानकारी के अनुसार कई सहायक अभियंता एवं जूनियर अभियंता जबसे कारखाना एवं इमारत विभाग के मलाईदार विभाग में अब तक बने रहना ये भी एक जांच-पड़ताल का विषय है। अब सवाल यह है कि कनिष्ठ अभियंता चंद्रकांत फड़तरे पर मनपा की आस्थापना विभाग इतनी मेहरबान क्यों है? एक कहावत है कि सारी दुनिया एक तरफ और जोरू का भाई एक तरफ। ऐसे ही फड़तरे के ऊपर भी कई भ्रष्टाचार के मामले होने के बावजूद बिल्डिंग एवं कारखाना विभाग में डटे हुए है। परन्तु फड़तरे अपनी ऊंची पहुंच और रसूख की बदौलत अवैध निर्माण के भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे हैं। वैसे ही मुंबई मनपा के आर/उत्तर विभाग के इमारत एवं कारखाना विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने की कोशिश की जा रही है। आर/उत्तर मनपा विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर द रेड स्टार न्यूज़ में लगातार खबरें प्रकाशित करने के साथ साथ मुख्यमंत्री, मनपा आयुक्त, पश्चिमी उपनगर अतिरिक्त आयुक्त, उपायुक्त परिमंडल 07, आर/उत्तर सहायक आयुक्त, आर/उत्तर शिकायत अधिकारी, पद-निर्देशित अधिकारियों को भी शिकायत करने के बावजूद भी अवैध निर्माण पर सुनने को तैयार नहीं है। या यू कहे कि कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। वहीं समाजसेवी संगठनों एवं पत्रकारों द्वारा शिकायत करने के बाद और जोर-शोर में अवैध निर्माण किया जा रहा है। इतना ही नहीं बल्कि पत्रकारों द्वारा आरटीआई मे जबाब मांगने के बाद भी कोई सही जानकारी नहीं दी जाती बल्कि घुमा-फिरा कर गोल माल आधी अधूरी जबाब मिलता है। यही कारण है कि अब सहायक आयुक्त नवनीस वेंगुरलेकर भी शक के घेरे में आ गए हैं। अब तो यही लगता है कि आर/उत्तर विभाग में हुए करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार मामले में सहायक आयुक्त से लेकर इमारत एवं कारखाना विभाग के सभी अधिकारी संलिप्त हैं। वही महानगरपालिका का बिल्डिंग एवं फैक्टरी विभाग एक खास अभियंता की कठपुतली बनी हुई है? मनपा आर/उत्तर के भ्रष्ट अधिकारी चंद्रकांत फड़तरे का चहेता भूमाफिया व ठेकेदार भीम शर्मा द्वारा लोकसभा चुनाव से लेकर अब तक 02 दर्जन से अधिक अवैध निर्माण कर चुका है। **अगले अंक में पढ़े मनपा आर/उत्तर के सहायक आयुक्त की पूरी कहानी पार्ट एक.?**

रश्मि शुक्ला को हटाने के लिए चुनाव आयोग को भेजा पत्र?

मुंबई, महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के ऐलान से पहले राज्य की डीजीपी रश्मि शुक्ला को लेकर राजनीति गरमाती दिख रही है। कांग्रेस ने चुनाव आयोग से महाराष्ट्र की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रश्मि शुक्ला की राजनीति से प्रेरित नियुक्ति और उन्हें दिए गए सेवा विस्तार की समीक्षा का आग्रह किया है। कांग्रेस ने अपने आग्रह में कहा है कि इससे निर्वाचन प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले द्वारा पिछले 10 दिन में आयोग को लिखा गया यह दूसरा पत्र है। अपने पिछले पत्र में पटोले ने शुक्ला को तत्काल हटाने की मांग की थी, ताकि विधानसभा चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से आयोजित किए जा सकें। पटोले ने कहा कि शुक्ला को दिया गया दो साल का विस्तार महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम का उल्लंघन है। शुक्ला को जनवरी 2024 में पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया था। कांग्रेस के अनुसार शुक्ला को 30 जून 2024 को सेवानिवृत्ति की आयु पूरी करने पर सेवानिवृत्त होना था। हालांकि उन्हें अवैध रूप से जनवरी 2026 तक सेवा विस्तार दिया गया है। पटोले ने कहा कि आगामी (विधानसभा) चुनाव के इतने करीब शुक्ला को सेवा विस्तार दिया जाना संदेह पैदा करता है। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि यह निर्णय राजनीति से प्रेरित है, जो संभावित रूप से चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है। नाना पटोले ने चुनाव आयोग से तत्काल कार्रवाई करने और शुक्ला की नियुक्ति और सेवा विस्तार की समीक्षा करने का आग्रह किया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ऐसी नियुक्तियों को नियंत्रित करने वाले कानूनों और सिद्धांतों का सख्ती से पालन किया जाए। पटोले ने मांग की है कि यह न केवल महाराष्ट्र के पुलिस बल की अखंडता के लिए, बल्कि पूरे भारत में पुलिस प्रशासन के भविष्य के लिए भी आवश्यक है। उन्होंने आरोप लगाया कि शुक्ला को सेवा विस्तार दिये जाने से सरकारी कार्यों की निष्पक्षता में विश्वास खत्म हो गया है, खासकर जब महत्वपूर्ण कानून प्रवर्तन पद पर ऐसा किया जाता है। पटोले ने पत्र में लिखा है कि रश्मि शुक्ला के कार्यकाल को उनकी मूल सेवानिवृत्ति तिथि से आगे बढ़ाना महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम का स्पष्ट उल्लंघन है, जो डीजीपी के लिए दो साल का कार्यकाल अनिवार्य करता है, बशर्ते उनकी सेवानिवृत्ति इस अवधि के दौरान निर्धारित न हो। उन्होंने पत्र में यह भी कहा कि उनका (शुक्ला का) कार्यकाल सेवानिवृत्ति तिथि से आगे बढ़ाकर सरकार ने इस महत्वपूर्ण प्रावधान की अवहेलना की है, जिससे कानून के शासन के पालन को लेकर चिंताएं पैदा हुई हैं। उन्होंने ने आगे कहा कि प्रकाश सिंह मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए सेवा विस्तार को उचित ठहराने संबंधी राज्य सरकार की दलील भ्रामक थी।

डिनर के बाद बीमार पड़ीं सरकारी हॉस्टल की 50 से ज्यादा छात्राएं

लातूर, महाराष्ट्र के लातूर शहर में एक सरकारी कॉलेज के छात्रावास में रात का भोजन करने के बाद करीब 50 छात्राओं की हालत बिगड़ गई। उन्हें आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना पुरणमल लाहोटी शासकीय पॉलिटेक्निक की है। इस छात्रावास में 324 छात्राएं रहती हैं। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार शाम करीब सात बजे छात्राओं ने चावल, चपाती, ओकरा सब्जी खाई थी और दाल का सूप पीया। रात साढ़े आठ बजे तक उनमें से कई को बेचैनी महसूस हुई तथा कुछ छात्राओं को उल्टी होने लगी। यह सूचना मिलने पर कॉलेज के प्रधानाचार्य मौके पर पहुंचे और लातूर में विलासराव देशमुख राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के डीन डॉ. उदय मोहिते को सूचित किया। पीड़ित छात्राओं को तुरंत एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। कॉलेज प्रधानाचार्य वी डी नितनावरे ने कहा, 'छात्रावास की कुछ छात्राओं की तबीयत खराब होने की खबर मिलने के बाद हम तुरंत मौके पर पहुंचे। सभी पीड़ित छात्राओं को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह सुनिश्चत करने के लिए व्यापक स्वास्थ्य जांच की गयी कि किसी छात्रा को कोई खतरा न हो। चिंता की कोई बात नहीं है। डीवी नितनावरे ने बताया कि शिवाजीनगर पुलिस को घटना की सूचना दे दी गई है। उन्होंने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची और प्राधिकारियों ने भोजन के नमूने एकत्रित किए।

थानाध्यक्ष समेत 15 पुलिस कर्मियों पर मुकदमा दर्ज का आदेश

आजमगढ़, आजमगढ़ में न्यायालय के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सत्यवीर सिंह ने अहरौला पुलिस को उस समय तत्कालीन पवई थानाध्यक्ष समेत 15 पुलिसकर्मियों पर मुकदमा पंजीकृत कर विवेचना करने का आदेश दिया। साथ ही विवेचना के परिणाम से न्यायालय को अवगत कराने के लिए कहा। इस मामले में वादी पक्ष ने पवई थानाध्यक्ष समेत अन्य पुलिसकर्मियों पर पति व उनके साथी को फर्जी मुकदमे में फंसाने का आरोप लगाया था। आजमगढ़ जिले के अहरौला थाना क्षेत्र की रहने वाली गीता ने कोर्ट में वाद दाखिल किया था। पीड़िता ने अवगत कराया था कि उसके पति इंद्रजीत यादव व संचित यादव फुलवरिया में स्थित बीयर की दुकान पर सेल्समैन हैं। आरोप लगाया कि होली पर पुलिस द्वारा उनके पति से अवैध धन की मांग की थी। इनकार करने पर पवई थानाध्यक्ष संजय कुमार, सुनील कुमार सरोज, उपनिरीक्षक चंद्रजीत यादव, उपेंद्र यादव व सुरेंद्र यादव व 10 अन्य पुलिसकर्मी 7 मार्च 2020 उनके घर पहुंच कर उनके स्कार्पियो की चाभी लेकर उनके पति व सेल्समैन संचित यादव को स्कार्पियो में बैठाकर स्वयं गाड़ी को चला कर पवई थाने ले गये।इसके बाद पुलिस ने उस गाड़ी से भट्टे के निकट नाटी गांव के पास पवई माहुल रोड पर वाहन चेकिंग दिखा कर उसके पति इंद्रजीत व संचित यादव को शराब व गांजा के साथ गिरफ्तारी दिखाते हुए मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेज दिया। पीड़िता ने पति व संचित यादव की जमानत उच्च न्यायालय द्वारा 4 जून 2020 को हुई। इसी दरमियान पीड़िता ने ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट आजमगढ़ के न्यायालय में वाहन को छुड़वाने के लिए 29 मई 2020 को आवेदन दिया था। जिस पर थाना पवई से रिपोर्ट मंगाकर न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा 26 जून 2020 को उसके वाहन को उसे सौंपने का आदेश जारी किया। लेकिन इस आदेश के बाद भी थानाध्यक्ष संजय कुमार ने वाहन नहीं छोड़ा। जब किसी अधिकारी ने सुनवाई नहीं की तो पीड़िता ने न्यायालय की शरण ली, इस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने अहरौला थानाध्यक्ष को पुलिस कर्मियों के विरुद्ध मुकदमा दर्जकर विवेचना करने का आदेश दिया है। इस पूरे मामले में एसपी ग्रामीण ने बताया कि 26 सितंबर 2024 को मुख्य न्यायाधीश मजिस्ट्रेट द्वारा आदेश प्राप्त हुआ है, जिसमें 156(3) के अंतर्गत तत्कालीन पवई थानाध्यक्ष संजय कुमार समेत 15 पुलिस कर्मियों द्वारा प्रार्थनीय के पति के साथ मारपीट, गाली गलौज तथा अवैध रूप से गिरफ्तारी करने के संबंध में मुकदमा पंजीकृत करने हेतु आदेश प्राप्त हुआ है। इस आदेश पर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है, जो भी तथ्य सामने आएंगे, विवेचना के अनुसार कार्रवाई की जायेगी।

विनोद एस.पी. सिंह
चीफ ब्यूरो- उत्तर प्रदेश
मो. 8887830802

ससुर ने किया बहू से रेप!

आजमगढ़, उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ से बहू से रेप का मामला सामने आया है। ससुर ने बहू के साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म भी किया। जब महिला ने इस बात की शिकायत अपने पति से की तो उसने महिला को धमकी देते हुए कहा कि अगर ये बात घर के बाहर गई तो वह उसे तलाक देकर घर से बाहर निकाल देगा। पीड़िता ने पुलिस ऑफिस पहुंचकर न्याय की मांग की है, साथ ही इस मामले में मुकदमा भी दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी गई शिकायत में पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी पूरे मुस्लिम रीति रिवाज से हुई थी। शादी के बाद से ही उसका ससुर उस पर गंदी नजर रख रहा था।

शुरू से ही वह घर के अंदर उसके साथ अश्लील इशारे और हरकतें करता था। एक दिन जब महिला का शौहर किसी काम के सिलसिले में घर से बाहर गए थे। इस मौके का फायदा उठाकर ससुर जबरन महिला के घर में घुस गया और दुष्कर्म किया। जब महिला ने इस बात की शिकायत अपने पति से की तो उसने महिला को धमकी देते हुए कहा कि अगर ये बात किसी को पता चली तो वह उसे तलाक दे देगा। परिवार वाले मिलकर महिला पर दबाव बनाने लगे। डर से पीड़िता ने इस बात की शिकायत नहीं की और अपने घरवालों का अत्याचार सहती रही। कुछ दिन बाद जब वह मायके आई और पूरी बात अपनी मां को बताई। इसी बीच पता चला कि उसके ससुराल के लोग उसके पति की दूसरे निकाह की तैयारी कर रहे हैं। इस मामले में पीड़िता के तहरीर पर मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

बाबा विश्वनाथ का अब होगा सिर्फ झांकी दर्शन...

वाराणसी, काशी विश्वनाथ मंदिर के गर्भगृह में धक्का-मुक्की और महिला श्रद्धालु के गिरने के मामले में मंदिर प्रशासन अब कारवाई करने जा रहा है। इस घटना के वीडियो सामने आने के बाद मंदिर प्रशासन अब दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी, इसके लिए उस समय मंदिर गर्भगृह में तैनात अफसर और कर्मचारियों की पहचान के बाद मंदिर प्रशासन आगे की कार्रवाई में जुटा हुआ है। वहीं फिलहाल इस घटना के बाद भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालु आराम से काशी विश्वनाथ का दर्शन कर सके इसके लिए व्यवस्थाओं में भी बदलाव किया गया है। नई व्यवस्था के अनुसार अगले आदेश तक सिर्फ गर्भगृह के बाहर अरघा लगाकर सिर्फ झांकी दर्शन ही होंगे।

बता दें कि स्पर्श दर्शन पर फिलहाल पूरी तरह रोक रहेगी। काशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन ने प्रेस रिलीज जारी कर इसकी जानकारी दी है।दरसअल, सोमवार 7 अक्टूबर की शाम गर्भगृह में स्पर्श दर्शन के दौरान दो भक्त बाबा विश्वनाथ के अरघे में गिर गए थे। इसमें एक महिला भी शामिल थी। अव्यवस्था की यह तस्वीर गर्भगृह में लगे लाइव स्ट्रीमिंग कैमरे में कैद हो गई जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद लोग सवाल उठाने लगे कि एक ओर वीवीआइपी और बड़े दानदाताओं को अच्छे से स्पर्श दर्शन कराया जा रहा है। दूसरी तरफ आम श्रद्धालुओं के लिए कोई व्यवस्था नहीं की जाती। किरकिरी होते देख मंदिर प्रशासन ने एक बयान जारी कर इस घटना पर खेद जताया और बताया कि सप्तऋषि और श्रृंगार आरती के मध्य गर्भगृह का कपाट खोला गया था।अचानक श्रद्धालुओं की भीड़ अनियंत्रित होकर गर्भगृह के अंदर प्रवेश कर गई, जिसकी वजह से दो श्रद्धालु गिर पड़े। इसी घटना का लाइव वीडियो वायरल हो गया। घटना का संज्ञान लेकर मंदिर प्रशासन ने झांकी दर्शन तक सीमित किया है। अगले आदेश तक इन्हीं दोनों व्यवस्थाओं के तहत ही अब सबके लिए दर्शन का इंतजाम बना रहेगा।

एसपी ने सिपाही को पुलिस सेवा से किया बर्खास्त!

कन्नौज, उत्तर प्रदेश के कन्नौज में आरक्षी का महिला के साथ शराब पीकर अभद्रता और जबरदस्ती करने का मामला सामने आया है। घर के अंदर शोर शराबा सुनकर ग्रामीण इकट्ठा हो गए। ग्रामीण को इकट्ठा देखकर सिपाही मौके से भाग निकला। इस दौरान नशे की हालत में वह गिर भी पड़ा। जिससे उसे चोटें भी आई हैं। महिला ने एसपी को शिकायत पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस की जांच में मामला सही पाया गया। पुलिस अधीक्षक ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस सेवा से बर्खास्त कर दिया। मामला लाल ग्राम थाना क्षेत्र के एक गांव का है। तालग्राम थाना क्षेत्र की पीआरबी में उमेश चंद्र अपनी सेवाएं दे रहा था। वहीं क्षेत्र के एक गांव में महिला अपने बच्चों के साथ रहती थी। बीते 6 अक्टूबर को शराब के नशे में सिपाही महिला के घर पहुंच गया और जबरदस्ती करने लगा। महिला के चिल्लाने पर गांव वाले इकट्ठा हो गए। जिससे सिपाही अपनी मंशा में सफल नहीं हो पाया और भीड़ देख मौके से भाग निकला। महिला ने सिपाही के खिलाफ पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र किया। एसपी अमित कुमार आनंद में बताया कि घटना के संबंध में जानकारी मिली है। उन्होंने बताया कि घटना को संज्ञान में लिया गया है और इसकी जांच कराई गई। जांच में घटना सही पाई गई। सिपाही उमेश चंद्र को तत्काल प्रभाव से पुलिस सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

गिफ्ट देने के लिए युवक ने चाचा के घर की चोरी!

नोएडा, उत्तर प्रदेश के नोएडा में एक युवक प्यार के खातिर चोर बन गया। आरोपी युवक के पास अपनी प्रेमिका के शौक को पूरे करने के लिए रुपये कम पड़ गए तो उसने अपने सगे चाचा के यहां ही चोरी की घटना को अंजाम दे डाली। आरोपी प्रेमी ने अपने साथियों के साथ मिलकर लाखों रुपये की चोरी करा दी। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के अंतर्गत हुई एक मुठभेड़ में पुलिस ने घायल अवस्था में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मंगलवार को हुई मुठभेड़ में घर में चोरी करने वाले एक घायल बदमाश के साथी और पीड़ित के भतीजे को घेरे बंदी कर दबोचा गया है। आरोपियों के पास से चोरी किए गए 12 लाख रुपये के गहने, 3400 रुपये नकद, तमंचा और चोरी की एक बाइक समेत अन्य सामान बरामद हुआ है। डीसीपी नोएडा रामबदन सिंह ने बताया कि थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सेक्टर-38 में रहने वाले एक व्यक्ति ने पांच अक्टूबर को थाने पर आकर पुलिस को सूचना दी। पीड़ित ने बताया कि चार अक्टूबर की दोपहर में उसके घर में घुसकर अज्ञात चोरों ने लाखों रुपये के गहने और नगदी समेत अन्य सामान चोरी कर फरार हो गए। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी। जांच के दौरान जिस घर में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया।

ई-कोर्ट प्रणाली को मजबूत करेगी योगी सरकार

लखनऊ, उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने औद्योगिक परिवेश को सशक्त करने के लिए औद्योगिक वादों के निस्तारण हेतु 'ई-कोर्ट प्रणाली' को सुदृढ़ करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुसार, औद्योगिक न्यायाधिकरण में ई-कोर्ट प्लेटफॉर्म के माध्यम से औद्योगिक विवादों के प्रबंधन के लिए एक व्यापक डिजिटल समाधान विकसित किया जाएगा। इस परियोजना का कार्य श्रीट्रॉन इंडिया लिमिटेड को सौंपा गया है।

ई-कोर्ट प्लेटफॉर्म पर औद्योगिक विवादों के मामलों को दर्ज करने के लिए सभी पक्षों के लिए एक सहज इंटरफेस विकसित किया जाएगा। इसमें पक्षकार अपने इनपुट और दस्तावेज अपलोड कर सकेंगे, इससे यह सुनिश्चित होगा कि उनकी प्रस्तुतियां कानूनी आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। सिस्टम स्वचालित रूप से प्रस्तुतियों को मान्य करेगा और एक यूनिक केस नंबर उत्पन्न करेगा, जो आवेदकों को यह पुष्टि देगा कि उनके मामले समीक्षाधीन हैं। इस प्रणाली का उद्देश्य प्रदेश के सभी प्राप्त वादों का प्रभावी प्रबंधन करना है, इसमें स्वीकृति से लेकर समाधान तक ट्रैकिंग की सुविधा उपलब्ध होगी। ई-कोर्ट प्लेटफॉर्म में वादों को प्रकार के अनुसार वर्गीकृत किया जाएगा, जैसे कि वेतन विवाद और गलत तरीके से बर्खास्तगी। इससे प्रसंस्करण और असाइनमेंट को सुव्यवस्थित किया जा सकेगा। इसके अलावा, सुनवाई के लिए तारीख और समय निर्धारित करने के लिए एक शेड्यूलिंग सिस्टम भी होगा, जो न्यायालय के संसाधनों और पक्षकारों की उपलब्धता को ध्यान में रखेगा।

दिवाली से पहले योगी सरकार का प्राइमरी शिक्षकों को तोहफा

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के प्राइमरी शिक्षकों को दिवाली से पहले खास तोहफा मिलने वाला है। दरअसल, प्राइमरी शिक्षकों की पदोन्नति के लिए नई नीति करीब-करीब तय हो चुकी है। बेसिक शिक्षा विभाग इसे शीघ्र ही अन्तिम रूप देकर शासन को भेजने की तैयारी में है। शासन की मुहर लगते ही इसे जारी किया जाएगा। इससे करीब दो लाख शिक्षकों को लाभ होगा। यह पदोन्नति हर तीन साल पर होगी। नई नीति में प्राइमरी में पदोन्नति पाने वाले शिक्षक उसी स्कूल में प्रधानाध्यापक भी बन सकेंगे, जहां वे तैनात थे। अभी सहायक अध्यापक पद से पदोन्नति के बाद उच्च प्राइमरी में सहायक अध्यापक या दूसरे प्राइमरी स्कूल में प्रधानाध्यापक के पद पर पदोन्नति का प्रावधान है। नई नीति प्रभावी होने के बाद स्कूल शिक्षा महानिदेशालय द्वारा बनाए गए मानकों को पूरा करने वाले उसी स्कूल में प्रधानाध्यापक बन सकेंगे। शिक्षकों की पदोन्नति भी हर तीन साल पर होगी। अभी शिक्षकों को पांच साल के बाद पदोन्नति मिलती है। हालांकि वर्ष 2016 के बाद से विभाग में शिक्षकों की कोई पदोन्नति नहीं हुई है। तीन साल पर पदोन्नति की नीति-2015 से पूर्व भी रही है, जिसे बाद में सरकार ने पांच साल में तब्दील कर दिया था। सरकार ने शिक्षकों की ज्येष्ठता सूची को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने के भी निर्देश दिए हैं ताकि नई नीति मंजूर होते ही पदोन्नति की प्रक्रिया उसी अनुसार शुरू की जा सके। प्राइमरी शिक्षकों की ज्येष्ठता सूची का प्रकाशन लंबे समय से लटका पड़ा है। नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन के दिशा-निर्देशों के तहत किसी भी शिक्षक को पदोन्नति के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा पास करना अनिवार्य है। प्रदेश में प्राइमरी के 75 फीसदी से अधिक सहायक अध्यापक टीईटी पास करने के बाद भी बीते आठ सालों से पदोन्नति की आस लगाए बैठे हैं।

चुनाव परिणामों को लेकर सीएम योगी का पहला रिएक्शन

लखनऊ, हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर सीएम योगी ने ट्वीट कर सभी कार्यकर्ताओं और मतदाताओं को बधाई दी है। सीएम योगी ने हरियाणा के चुनाव के परिणामों के अनुसार बीजेपी तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में बीजेपी हरयाणा विधान सभा चुनाव लड़ी थी।

सीएम योगी ने ट्वीट कर कहा कि हरियाणा विधान सभा चुनाव में बीजेपी को मिली ऐतिहासिक विजय की सभी समर्पित कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं सम्मानित मतदाताओं को हार्दिक बधाई। विकसित हरियाणा-विकसित भारत की संकल्पना की सिद्धि को समर्पित यह जीत पीएम मोदी की लोक-कल्याणकारी नीतियों, सीएम नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व और डबल इंजन की भाजपा सरकार की शक्ति पर हरियाणा की जनता-जनार्दन के विश्वास की मुहर है। नेशन फर्स्ट भाव से ओतप्रोत भाजपा को फिर से सेवा का सौभाग्य प्रदान करने के लिए सभी हरियाणा वासियों का हार्दिक अभिनंदन।

हर्ष फायरिंग के दौरान एक बच्ची की मौत और दो घायल..

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में प्रयागराज कमिश्नरेट यमुनानगर क्षेत्र के करछना थाना अंतर्गत में सगाई समारोह में हर्ष फायरिंग हुई। हर्ष फायरिंग में चली गोली के छर्रे की चपेट में तीन छोटे बच्चे आ गए। गोली लगने से एक बच्चे की मौत हो गई। वहीं दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हैं। जानकारी के मुताबिक बच्चे की पहचान 7 वर्षीय कार्तिकेय के रूप में हुई। 10 वर्षीय आयुष और 9 वर्षीय आराधना घायल हैं। मेजा थाना क्षेत्र के भसुंदर खुर्द गांव निवासी राजकरन यादव के बेटे सूरज यादव की सोमवार को पप्पू यादव की लड़की से सगाई थी। राजकरन का परिवार रिश्तेदारों के साथ सगाई करने गया था। सगाई के दौरान लड़की पक्ष की तरफ से फायरिंग की गई। हर्ष फायरिंग की चपेट में ज्ञानशंकर यादव का 7 वर्षीय बेटा कार्तिकेय, राजकरन की 10 वर्षीय नाती आयुष और 9 वर्षीय नातिन राधा को गोली लग गई। घायल बच्चों को इलाज के लिए नजदीक निजी अस्पताल में एडमिट कराया। जहां डॉक्टर ने कार्तिकेय को मृत घोषित कर दिया गया। दो बच्चों का इलाज जारी है।

अयोध्या में दीपोत्सव की तैयारियां शुरू

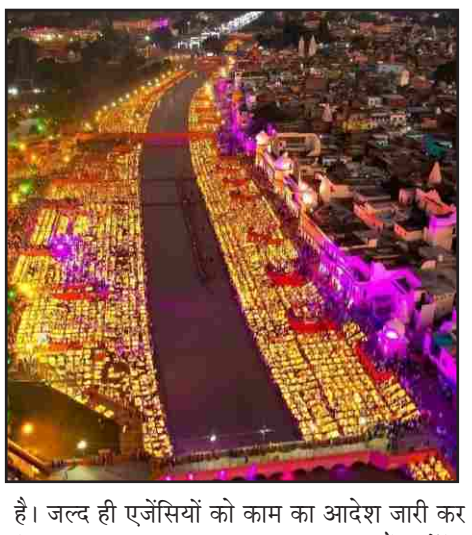

अयोध्या, प्रभु राम की नगरी अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के बाद ये पहला दीपोत्सव बेहद खास होने वाला है। अयोध्या का दीपोत्सव इस बार और भव्य और दिव्य होने जा रहा है। इस बार 8 लाख दीयों को सरयू के 55 घाटों के साथ भजन संध्या स्थल पर भी बिछाए जाने के लिए कहा गया है, जबकि इस बार का लक्ष्य 25 लाख दीयों का रखा गया है। 40 लाख रुई की बत्तियां इन दीयों को प्रज्वलित करने के लिए लगाई जाएंगी।

दीपोत्सव 2024 के लिए 32 लाख दीए खरीदे जाएंगे। रामपथ पर निकलने वाली 18 झांकियों की 3 किलोमीटर लंबी शोभायात्रा के लिए संस्कृति विभाग और पर्यटन विभाग की तरफ से झांकियों का निर्माण का काम शुरू कर दिया गया है। अयोध्या का दीपोत्सव 25 लाख से ज्यादा दीयों से जगमग होगी। अयोध्या योगी सरकार ने दीपोत्सव की तैयारी तेज कर दी है। राम अयोध्या जनपद के पर्यटन अधिकारी राजेंद्र प्रसाद यादव ने आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस बार दीपोत्सव में जो 25 लाख दीयों का लक्ष्य रखा गया है उसके तहत हम लोग 28 लाख दीए राम की पैढी के साथ भजन संध्या स्थल पर बिछाएंगे। अवध विश्वविद्यालय ने अपना टेंडर खोल लिया है. मुख्यालय पर्यटन निदेशालय ने भी अपना टेंडर खोल लिया है। उन सब की प्रेजेंटेशन और समीक्षा चल रही है। जल्द ही एजेंसियों को काम का आदेश जारी कर दिया जाएगा। इस बार स्थल बढ़ाए गए हैं क्योंकि डिपो की संख्या बढ़ाई गई हैं। इन सभी कार्यक्रमों के पहले अयोध्या के राम पथ पर रामायण की झांकियां मार्ग को सुशोभित करते हुए राम कथा पार्क तक पहुंचेंगे। लगभग 3 किलोमीटर कि यात्रा में 18 से ज्यादा झांकियां शामिल होंगी। इन सभी कामों को पूरा करने के लिए संबंधित विभागों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

अखिलेश यादव का BJP पर हमला!

कासगंज, सालेमपुर बीबी गांव में सोमवार को एक 50 वर्षीय दलित शख्स ने अपने घर में फांसी लगा ली। मृतक की पत्नी ने आरोप लगाया है कि उनके पति की पिटाई पुलिस कर्मियों ने की थी, जिससे दुखी होकर उन्होंने यह कदम उठाया। इस घटना को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अब भाजपा सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में इस घटना को लेकर भाजपा सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने लिखा-उप्र के कासगंज में एक दलित को रामलीला देखते समय, मंच के क़रीब कुर्सी पर बैठने पर पुलिस द्वारा अपमानित व पीटे जाने के बाद उस दलित की आत्महत्या का समाचार बेहद दुखद और सामाजिक रूप से चिंताजनक है। आज़ादी का तथाकथित अमृतकाल मना रही भाजपा सरकार के समय में प्रभुत्ववादी सोच को जो बढ़ावा दिया जा रहा है, ये उसका ही परिणाम है कि PDA के साथ ऐसा अपमानजनक व्यवहार करने का दुस्साहस किया जा रहा है। PDA समाज का शारीरिक अपमान दरअसल PDA के लोगों को मानसिक रूप से कमज़ोर करने के एक बड़े मनोवैज्ञानिक षड्यंत्र का हिस्सा है। ऐसी घटनाओं पर लीपापोती करना उप्र की भाजपा सरकार की आदत बन गयी है।

घोर निंदनीय! इंसाफ़ हो! आत्महत्या करने वाले शख्स की पत्नी रामरती ने पुलिस को बताया कि उसका पति रमेश चंद्र, रविवार रात नौ बजे गांव में चल रही रामलीला देखने गया था। रमेश मंच के आगे लगी मेज पर बैठ गया। यह बात रामलीला कमेटी के लोगों को अच्छी नहीं लगी। आरोप है कि पदाधिकारियों के इशारे पर वहां मौजूद दो पुलिस वालों ने उसे उठा दिया। भीड़ के सामने उसे पीट दिया। इससे उसने खुद को अपमानित महसूस किया। सोमवार की सुबह घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आरोप है कि रमेश चंद्र को अपमानित कर खुदकुशी के लिए उकसाया गया है।

रवि और सर्वार्थ सिद्धि योग में मनाया जाएगा दशहरा

पूजा का शुभ मुहूर्त और धार्मिक महत्व...

हिंदू धर्म में दशहरा का विशेष महत्व है। वहीं यह त्योहार हर साल अश्विन माह में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथिमनाया जाता है। वहीं आपको बता दें कि दशहरा अधर्म पर धर्म की जीत के रूप में मनाया जाता है और इस दिन श्री राम ने लंकापति रावण का वध किया था। साथ ही मां दुर्गा ने महिषासुर नामक राक्षस का अंत किया था। इसलिए यह पर्व विजयादशमी के नाम से भी जाना जाता है। वहीं इस साल दशहरा 12 अक्टूबर को मनाया जाएगा। वहीं इस दिन दो शुभ योग का भी निर्माण हो रहा है। जिससे इस दिन का महत्व और भी बढ़ गया है। आइए जानते हैं दशहरा तिथि और शुभ योगष्ठ

दशहरा 2024 तिथि-

वैदिक पंचांग के अनुसार इस बार आश्विन माह शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 12 अक्टूबर को सुबह 10 बजकर 57 मिनट से आरंभ हो रही है। वहीं इसका अंत अगले दिन यानी 13 अक्टूबर को सुबह 09 बजकर 07 मिनट पर होगा। पंचांग के आधार पर दशहरा का पर्व 12 अक्टूबर को मनाया जाएगा। क्योंकि रावण दहन प्रदोष काल में किया जाता है।

दशहरा 2024 शुभ मुहूर्त- वहीं इस दिन की पूजा का शुभ मुहूर्त दोपहर 01 बजकर 16 मिनट से शुरू होकर 03 बजकर 35 मिनट तक रहेगा।

बन रहे ये शुभ योग

ज्योतिष पंचांग के अनुसार दशहरा पर रवि और सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहे हैं। जिनको ज्योतिष में बेहद अहम माना गया है।

दशहरा अबूझ मुहूर्त-ज्योतिष शास्त्र में दशहरा तिथि एक अबूझ मुहूर्त माना गया है। मतलब इसमें बिना कोई मुहूर्त देखे, सभी शुभ कार्य किए जा सकते हैं। कोई कारोबार, प्रापर्टी या वाहन खरीद सकते हैं। मतलब कोई समान खरीदने के लिए कोई मुहूर्त देखने की जरूरत नहीं है।

दशहरा का धार्मिक महत्व- दशहरा का शास्त्रों में विशेष महत्व है। दशहरा पर शहर- शहर रावण, कुंभकरण और रावण के पुत्र मेघनाथ के पुतले का दहन करने का विधान है।

मान्यता है कि रावण दहन अगर शुभ मुहूर्त में किया जाए तो इसका शुभ प्रभाव पड़ता है। साथ ही इस दिन शस्त्र पूजन किया जाता है।

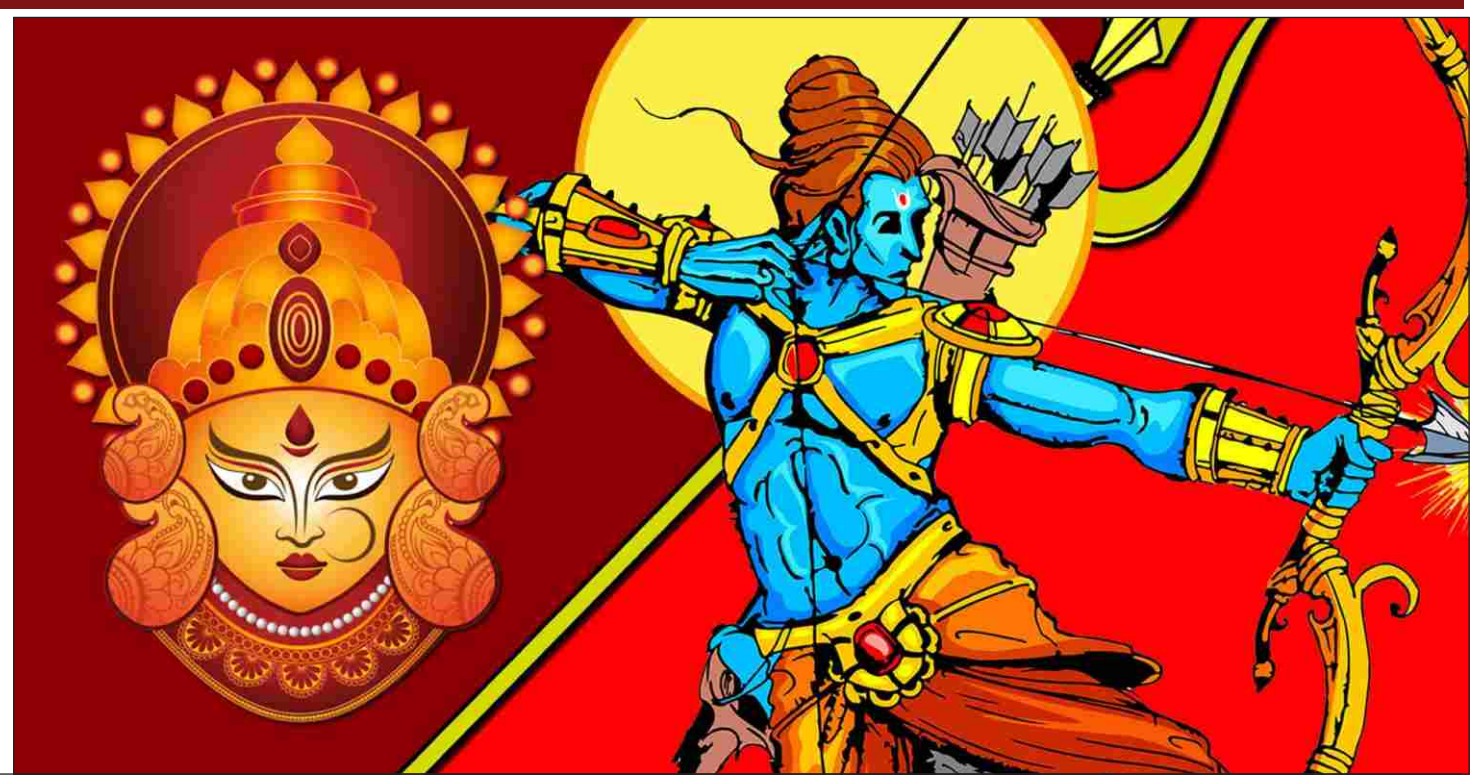

ऋषि के कारण मां का नाम पड़ा कात्यायनी

नवरात्रि के छठे दिन देवी कात्यायनी की पूजा की जाती है। इन्हें ऋषि कात्यायन की पुत्री होने के कारण कात्यायनी कहा जाता है। इस स्वरूप को माता पार्वती ने महिषासुर दैत्य का अंत करने के लिए धारण किया था। यह देवी पार्वती का सर्वाधिक हिंसक रूप है। इन्हें योद्धा देवी के रूप में भी जाना जाता है। देवी कात्यायनी का यह स्वरूप क्रोध के सकारात्मक उपयोग को प्रदर्शित करता है। इनकी पूजा के लिए क्लीं श्री त्रिनेत्रायै नमः या ऊं देवी कात्यायन्यै नमः मंत्र जपना चाहिए। साथ ही देवी कात्यायनी को मधु अर्थात शहद का प्रसाद अर्पित करना चाहिए।

इनकी पूजा नवरात्रि के छठें दिन की जाती है। हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार देवी कात्यायनी बृहस्पति ग्रह को शासित करती हैं। देवी कात्यायनी को विशाल दैवीय सिंह पर आरूढ़ और चतुर्भुज रूप में दर्शाया जाता है। देवी कात्यायनी अपने बाएं हाथों में कमल पुष्प और तलवार धारण करती हैं और दाहिने हाथों को अभय मुद्रा और वरद मुद्रा में रखती हैं। इस देवी का प्रिय पुष्प लाल है, विशेष रूप से गुलाब के लाल फूल इन्हें प्रिय हैं।

मां कात्यायनी की पूजा विधि-

1. मां कात्यायनी की पूजा सुबह करने के बाद दोबारा गोधूलि वेला में करने का नियम है।
2. गोधूलि वेला में पीले या लाल कपड़े पहनकर मां कात्यायनी की पूजा करनी चाहिए।
3. मां कात्यायनी की फोटो कलश के पास रखकर पहले कलश की पूजा करें, अन्य देवताओं का ध्यान

करें, मां की पूजा शुरू करें और उन्हें पीले फूल, पीला नैवेद्य अर्पित करें। इन्हें शहद अर्पित करना विशेष शुभ होता है।

4. ॐ देवी कात्यायन्यै नमः मंत्र का जाप करें।
5. मां को सुगंधित पुष्प अर्पित करने से शीघ्र विवाह के योग बनते हैं, साथ ही प्रेम संबंधी बाधाएं भी होती हैं।
6. इसके बाद मां के सामने उनके मंत्रों का जाप करें। मां कात्यायननी के स्तोत्र पढ़ें, दुर्गा सप्तशती पढ़ें और आरती गाएं।
7. पूजा में गलती के लिए क्षमा मांगें।

मां कात्यायनी के मंत्र

1. ॐ ह्रीं नमः।।'
2. चन्द्रहासोज्जवलकराशार्इलवरवाहना।
कात्यायनी शुभं दद्यादेवी दानवघातिनी।।

30 हजार मनोकामना ज्योत से आलोकित चमत्कारिक महामाया मंदिर

बिलासपुर जिला मुख्यालय से करीब 26 किमी दूर रतनपुर स्थित 12वीं शताब्दी के मां महामाया मंदिर में नवरात्र के पहले दिन से ही आस्था व भक्ति का उल्लास है। सप्तमी के बाद से यहां हर दिन एक लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। यहां देवी की पूजा 51वीं शक्तिपीठ के रूप में होती है।

मान्यता है कि यहां सती का दाहिना कंधा गिरा था। महामाया मंदिर ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी सतीश शर्मा ने बताया कि मंदिर के 18 कमरों में 30 हजार मनोकामना ज्योत की व्यवस्था की गई है। पहले दिन सुबह 11 बजे तक गर्भगृह के ज्योत से लगभग सभी मनोकामना ज्योत प्रज्वलित कर दी गईं। कमरे के आकार के अनुसार 1100, 1500, 1800 और 2500 ज्योत कलश रखे गए हैं। इनकी देखरेख के लिए करीब 300 व्यक्तियों को लगाया है। इनमें से सात समुंदर पार के कई श्रद्धालुओं की ज्योत भी जल रही है। मंदिर ट्रस्ट का दावा है कि इतनी संख्या में मनोकामना ज्योत देश के किसी मंदिर में प्रज्वलित नहीं होती हैं। कलचुरी वंश के शासक रत्नदेव प्रथम ने रतनपुर को अपनी राजधानी बनाकर इस मंदिर का निर्माण कराया था। यह कलचुरी वंश के राजाओं की कुलदेवी मानी गईं। नागर शैली में बना मंदिर का मंडप 16 स्तंभों पर टिका है। गर्भगृह में आदिशक्ति मां महामाया की साढ़े तीन फीट ऊंची भव्य प्रतिमा स्थापित है। मंदिर का निर्माण विक्रम संवत 1552 में हुआ था। मंदिर का जीर्णोद्धार वास्तुकला विभाग द्वारा कराया गया है। मंदिर की स्थापत्य कला भी बेजोड़ है। गर्भगृह और मंडप एक आकर्षक प्रांगण के साथ किलेबंद हैं, जिसे मराठा काल में बनाया गया था।

श्रद्धालुओं के ठहरने व दैनिक दिनचर्या के लिए मंदिर परिसर में तीन धर्मशालाएं हैं। नवरात्र में प्रतिदिन निःशुल्क भंडारा हो रहा है, जिसमें 15 हजार लोग शामिल हो रहे हैं। सप्तमी के बाद यह संख्या लाखों में पहुंच जाती है। मंदिर में हर दिन निकलने वाली पूजन सामग्री परिसर में स्थित तालाब में विसर्जित की जाती है, जिसे मछलियां सहित जलीय जंतु खा जाते हैं। परिसर में तीन तालाब के अलावा चारों ओर हरियाली है। माता रानी के भोग व भंडारा के लिए नवरात्र में करीब 400 किलो घी मंगवाया गया है।

नवरात्र में हर दिन दानपेटी खोली जाती है। दान में मिली राशि, सोना-चांदी आदि वस्तुओं का रिकॉर्ड रखा जाता है।

माता को अर्पित गहनों से दूसरे दिन मां का श्रृंगार किया जाता है। नवमी को विशेष राजसी श्रृंगार होता है। बाकी दिनों में हर सप्ताह दान पेटी खोली जाती है। नगरपालिका रतनपुर को ट्रस्ट की ओर से हर साल 20 लाख रुपए विकास कार्य के लिए दिए जाते हैं। मंदिर व परिसर सीसीटीवी से लैस है।

उत्तर प्रदेश के इस शहर को माना जाता है देवी दुर्गा का निवास

पवित्र गंगा नदी के तट पर मौजूद, विंध्याचल भारत का एक प्रमुख शक्ति पीठ मंदिर है। विंध्याचल, वाराणसी से लगभग 70 किमी की दूरी पर मौजूद है। शास्त्रों के अनुसार, इसे शहर को देवी दुर्गा का निवास स्थान भी माना जाता है। इस जगह के करीब, अन्य देवी-देवताओं को समर्पित कई मंदिर देखे जा सकते हैं, उनमें से कुछ अष्टभुजी देवी मंदिर और कालीखोह मंदिर है। ऐसा कहा जाता है कि देवी ने महिषासुर राक्षस का वध करने के बाद विध्यांचल को रहने के लिए चुना था। विध्यांचल के मंदिरों में हजारों भक्तों की भीड़ देखी जा सकती है और ये संख्या नवरात्रों के दिनों में तो और बढ़ जाती है। पूरा शहर इस त्यौहार के दौरान दीयों और फूलों से सजा दिया जाता है। अगर आप भी विंध्याचल जा रहे हैं, तो इन जगहों पर भी जरूर जाएं।

विंध्यवासिनी मंदिर -

यह विंध्याचल की एक धार्मिक जगह है और पृथ्वी पर सबसे प्रसिद्ध स्थलों में से एक है। यहां तक कि दुर्गा सप्तशती में भी इस धार्मिक जगह का उल्लेख बड़ी श्रद्धा के साथ किया गया है। इसमें ऐसा कहा गया है कि जिस रात भगवान कृष्ण ने जन्म लिया था उसी रात यशोदा के गर्भ से देवी दुर्गा का जन्म हुआ था। जब कंस ने उनको पत्थर से मारने की कोशिश की तो वे चमत्कारिक रूप से दुर्गा के रूप में बदल गई। इस तरह देवी ने विंध्याचल को अपना निवास स्थान बना लिया। मंदिर में मां काली की मूर्ति स्थापित है, जिनकी पूजा मां काजला के रूप में की जाती है। इस शक्तिपीठ मंदिर में जो आता है, मां उसकी हर मनोकामना पूर्ण करती हैं। मंदिर मिर्जापुर शहर से 8 किमी दूर स्थित है।

अष्टभुजा मंदिर - अष्टभुजा मंदिर विंध्यवासिनी मंदिर से 3 किमी की दूरी पर मौजूद है। ये धार्मिक स्थल पहाड़ी की चोटी पर बसा हुआ है। इस मंदिर की पीठासीन देवता अष्टभुजा देवी हैं, जो मां दुर्गा का अवतार मानी जाती हैं। इस मंदिर के दर्शन करने के साथ-साथ सीता कुंड, गेरुआ और मोतिया नामक तीन पवित्र तालाबों को भी देख सकते हैं। ऐसा कहा जाता है कि उस समय के राजा अपने दुश्मनों को खत्म करने के

लिए देवी दुर्गा की पूजा किया करते थे।

काली कोह मंदिर - विंध्यवासिनी मंदिर से 2-3 किमी दूर स्थित इस गुफा-मंदिर में देवी महाकाली का वास है। यह पहाड़ी के आधार पर स्थित है जहां अष्टभुजा मंदिर है।

सीता कुंड- स्थानीय नागरिकों का मानना है कि देवी सीता ने अपने पति राम के साथ वनवास की अवधि के दौरान विंध्याचल के एक तालाब में स्नान किया था। यह तालाब बाद में सीता कुंड बन गया, यहां भी आप भक्तों की अच्छी भीड़ देखने को मिलती है।

भगवान रामेश्वर महादेव मंदिर -

राम गया घाट पर स्थित यह धार्मिक जगह विंध्यवासिनी मंदिर से मात्र एक किलोमीटर की दूरी पर मौजूद है। ऐसा कहा जाता है कि अपने गुरु महर्षि वशिष्ठ के कहने पर भगवान राम ने अपने मृत पिता की याद में इस स्थान पर एक शिव लिंग की स्थापना की थी।

विंध्याचल कैसे पहुंचें

हवाई मार्ग से: वाराणसी में पास का हवाई टर्मिनल लाल बहादुर शास्त्री हवाई अड्डा है, जो विंध्याचल से 51 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

रेल द्वारा: विंध्याचल का अपना रेलवे स्टेशन है।

सड़क मार्ग से: विंध्याचल तक राज्य द्वारा प्राइवेट बसों, टैक्सियों और लोकल कारों से पहुंचा जा सकता है।

व्रत में चंद्र देव लेंगे कड़ा इम्तिहान? आधी रात तक करना होगा निर्जला उपवास

कार्तिक कृष्ण पक्ष अष्टमी तिथि बेहद खास होती हैं। इस दिन उत्तर भारत में अधिकांश जगहों पर अहोई अष्टमी व्रत रखा जाता है। यह व्रत महिलाएं संतान के सुख और समृद्धि के लिए रखती हैं। यह कठिन उपवास माना जाता है, क्योंकि माताएं अपने पुत्रों की कुशलता के लिए उषाकाल (भोर) से लेकर गोधूलि बेला (सायंकाल) तक उपवास करती हैं।

सायंकाल के समय आकाश में तारों का दर्शन करने के बाद व्रत संपन्न करती हैं। हालांकि कुछ महिलाएं चंद्रमा के दर्शन करने के बाद व्रत पूर्ण करती हैं। लेकिन इसका अनुसरण करना कठिन होता है क्योंकि अहोई अष्टमी की रात्रि में चंद्रोदय देरी से होता है। इस दिन गोवर्धन राधा कुंड में स्नान का बड़ा महत्व होता है। अहोई अष्टमी व्रत का दिन करवा चौथ के चार दिन बाद और दिवाली पूजा से आठ दिन पहले पड़ता है। करवा चौथ के समान ही अहोई अष्टमी भी उत्तर भारत में अधिक लोकप्रिय है। अहोई अष्टमी के दिन को अहोई आठें नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि यह व्रत अष्टमी तिथि के समय किया जाता है, जो माह का आठवां दिन होता है। करवा चौथ के समान अहोई अष्टमी का दिन भी कठोर उपवास का दिन होता है और अनेक स्त्रियां पूरे दिन जल तक ग्रहण नहीं करती हैं। आकाश में तारों का दर्शन करने के बाद ही उपवास का पारण किया जाता है। जबकि कुछ महिलाएं चंद्र दर्शन के बाद व्रत तोड़ती हैं। इस दिन गोवर्धन राधाकुंड में दर्शन का भी महत्व है।

कब है अहोई अष्टमी

कार्तिक कृष्ण अष्टमी तिथि प्रारंभ: 24 अक्टूबर 2024 को सुबह 01:18 बजे

कार्तिक कृष्ण अष्टमी तिथि समाप्त: 25 अक्टूबर 2024 को सुबह 01:58 बजे

अहोई अष्टमी व्रत: गुरुवार, 24 अक्टूबर 2024

अहोई अष्टमी पूजा मुहूर्त: शाम 05:42 बजे से शाम

06:59 बजे तक

अवधि: 01 घंटा 17 मिनट्स

गोवर्धन राधा कुण्ड स्नान: बृहस्पतिवार, 24 अक्टूबर 2024 को

तारों को देखने का समयः शाम 06:06 बजे

अहोई अष्टमी के दिन चंद्रोदय का समयः सुबह 11:55 बजे तक

मिजार्पुर का अनोखा चमत्कारी मंदिर जहां आने से लौट आती है आंखों की रोशनी !

गड़बड़ा शीतला धाम का 15 दिवसीय मेला का आज से शुरुआत हो गया है. मेला के प्रथम दिन ही आज मां शीतला धाम में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा. यह मेला शीतला माता की पूजा के साथ शुरू होता है. यहां सेवटी नदी के किनारे माता का पौराणिक मंदिर है. मान्यता है कि जो लोग यहां माथा टेकने आते हैं उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं. साथ ही संतान प्राप्ति की भी मुरादें पूरी होती हैं. 15 दिन तक चलने वाले इस मेले में मिर्जापुर जनपद के साथ-साथ आसपास के जिलों के साथ ही बिहार और मध्य प्रदेश के कई क्षेत्रों से लोग दर्शन करने आते हैं.

लालगंज तहसील के हलिया ब्लाक में स्थित गड़बड़ा धाम अति प्राचीन है. किदवंतियों के मुताबिक मां शीतला यहां पर लगभग तीन सौ वर्ष पूर्व टेढ़ी नीम के खोखले से प्रकट हुई थीं. बाद में स्थानीय लोगों ने मां शीतला का मंदिर बनवा दिया. ये स्थान जिला मुख्यालय से 70 किलोमीटर दूर विंध्य पर्वत की तलहटी में सेवटी नदी के किनारे स्थित है. यहां आज, सोमवार से 15 दिवसीय मेला शुरू हो गया, जहां लाखों की संख्या में भक्तों ने सेवटी नदी में स्नान के बाद मां शीतला का दर्शन किया.

भक्तों की अभिलाषा होती है पूर्ण- पुजारी दिनेश त्रिपाठी ने बताया कि श्रद्धालु पूरी आस्था से मां का दर्शन-पूजन करते हैं. गड़बड़ा धाम में दर्शन मात्र से ही भक्तों की अभिलाषा पूर्ण हो जाती है. मां शीतला का ऐसा प्रताप है कि वह चमत्कार ही लगता है. इस वजह से यहां अन्य जनपदों से भी लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं. आज गंवई मेला था, अगले सोमवार को शहरी मेला यानी बड़ा मेला होगा. वहीं तीसरे सोमवार, 01जनवरी को गंवई मेला से समापन होगा. उन्होंने बताया कि भक्तों की मुरादें पूरी होने पर यहां पर मुंडन संस्कार के साथ मनौती मानने वाले रोट व लपसी का भोग लगाते हैं. शीतला माता मंदिर भक्तों की मनोकामना पूर्ण करने के लिए विख्यात है. पुजारी दिनेश त्रिपाठी ने बताया कि मां के दर्शन से निःसंतान दंपति को संतान प्राप्ति होती है.

मुंबई पुलिस की समाजसेवा शाखा हुई नाकाम !

मसाज की आड़ में देह व्यापार का नया अड्डा?

खुलेआम चल रहा है सलून एवं स्पा !

कांदिवली। मुंबई शहर मे अवैध रूप से चल रहे ब्यूटी पार्लर, स्पा, मटका, जुगार क्लब, डांस बार एवं नशीले ड्रग्स एवं अन्य व्यवसाय पर आखिर कब तक चुप्पी साधकर बैठे रहेंगे पुलिस आयुक्त? मुंबई पुलिस एवं अनैतिक देह व्यापार माफियाओ का आंख मिचौली का खेल कब खत्म होगा? ऐसी चर्चा मुंबई शहर के रहिवासियों में है! आपको बता दें कि कांदिवली पुलिस स्टेशन परिक्षेत्र में अवैध रूप से चलने वाले धंधों की भरमार है। अनेक अखबारों में बार बार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी पुलिस प्रशासन कर्तव्य विमूढ़ है। ऐसा लगता है कि अपने देश में बेईमानी और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ना टेढ़ी खीर साबित हो रही है। सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की चाशनी में ऐसा नहाया हुआ है कि उसे हमाम के साबुन से कितना भी नहलाओ लेकिन वो निकलने वाला नहीं है। अब तो पुलिस प्रशासन भी भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबा हुआ है। वही स्पा की आड़ मे देह व्यापार के धंधे में पुलिस प्रशासन की हिस्सेदारी ये दर्शाता है कि कानून व्यवस्था का कितना मजाक उड़ाया जा रहा है। यही कारण है कि अनैतिक देह व्यापार जैसे अवैध धंधा करने वालों पर कोई भी कार्रवाई नहीं हो रही है। इस अवैध धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही पुलिस प्रशासन को? स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुसार कोरोना काल ख़त्म होने बाद पार्लर और मसाज सेंटर जहां फिर से धड़ाधड़ खुलने लगे हैं वहीं पुलिस विभाग की शिथिलता से गली-गली में स्पा पार्लर कुकुरमुत्तों की तरह खुल गए हैं जिसका संरक्षण करने का आरोप स्थानीय पुलिस पर लगता है। इसी तरह कांदिवली पुलिस स्टेशन के हद में एम जी रोड पर डहानूकरवाड़ी ब्रिज के पहले स्मायन सलून एवं स्पा चलाया जा रहा है। जहां चल सैलून एवं स्पा के आड़ मे देह व्यवसाय करने का आरोप स्थानिय लोग लगाते हैं। वही स्थानीय लोंगो का कहना है कि स्पा के अंदर पार्टीसन रूपी केबिन और केबिन के अंदर लॉक सिस्टम यह दर्शाता है कि कहीं न कहीं स्पा के अंदर गलत चल रहा है. वहीं आसपास के लोगों का कहना है कि स्पा संचालक चुंकि एक राजनितिक पार्टी से जुड़ा हुवा है इसलिए पुलिस कार्यवाई करने की बजाय उसका संरक्षण करती है। आस-पास के लोगों का कहना है कि इसका समाज पर गलत असर पड़ रहा है। बताया जाता है कि जब से कांदिवली पुलिस स्टेशन में नियुक्त वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक का आगमन हुआ है तब से इन्हें विशेष संरक्षण दिया जा रहा है, स्थानिय लोगों की शिकायतों को नजर-अंदाज कर स्पा और मसाज सेंटर को बढ़ावा दिया जा रहा है।

मा. आनंद भोईटे (पुलिस उपायुक्त परि.-11)

जुगार माफियाओं का अड्डा बना कल्याण डोम्बिवली शहर ..

डोम्बिवली रेलवे स्टेशन के सामने एवं भाजी मार्किट में स्थानीय पुलिस स्टेशन की नाक के नीचे चल रहा जुगार ..

डोम्बिवली पूर्व। ठाणे पुलिस और जुगार माफियाओं का आंख मिचौली का खेल कब खत्म होगा ऐसी चर्चा शहर के रहिवासियों में है। आपको बता दें कि ठाणे जिले में अवैध रूप से चलने वाले जुगार के धंधों की भरमार है। अखबारों में बार बार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी पुलिस प्रशासन कर्तव्य विमूढ़ है। ऐसा लगता है कि जुगार जैसे अवैध धंधा करने वालों को संरक्षण दिया जा रहा है। इस अवैध धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही पुलिस प्रशासन को.?

सामाजिक संगठनों द्वारा की गई शिकायत और द रेड स्टार न्यूज़ अखबार में न्यूज देने के बावजूद पुलिस के आला अधिकारी और सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। गौरतलब हो कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा मटका, जुगार क्लब एवं झट-पट लाटरी पर प्रतिबन्ध होने के बावजूद डोम्बिवली शहर में जुगार का धंधा पुलिस की नाक के सामने बड़े पैमाने पर दिन रात चलाया जा रहा है। स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुशार जुगार माफिया एवं उसकी टीम द्वारा बड़े पैमाने पर जुगार का धंधा डोंबीवली पुलिस स्टेशन (रामनगर) अंतर्गत डोम्बिवली पूर्व रेलवे स्टेशन के सामने साई पूजा के पास में मटका, चक्री, भवरा, लट्टू व अन्य जुगार बड़े पैमाने पर हिस्ट्रीशीटर एवं जुगार माफिया गणेश सेठ द्वारा जुगार बड़े पैमाने पर 20-25 राईटरो के माध्यम से चलाया जा रहा है। वही दूसरा जुगार क्लब फड़के रोड पर भाजी मार्केट रघुकुलदीप सोसायटी मे रात दिन रतन सेठ द्वारा चलाया जा रहा है। उक्त जुगार अड्डे में

श्री. एस बी गुंजाळ
पोलीस उप आयुक्त (परिमंडळ-3)

ग्राहकों को खास ख्याल रखते हुए मदिरा एवं जोरू की भी व्यवस्था की जाती है। स्थानीय पुलिस स्टेशन की भूमिका संदिग्ध होने के कारण कोई भी व्यापारी इन जुगार मफ़ियाओं से पंगा नहीं लेना चाहता। स्थानीय रहिवासियों एवं व्यापारियों ने न्यूज़ कार्यालय पर दूरसंचार के माध्यम से शिकायत करके कथित जुगार माफियाओं पर सख्त कार्यवाई के साथ साथ तड़ीपार करने की अपील की है। इस शिकायत पर द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय द्वारा ईमेल से स्थानीय डोंबीवली (रामनगर) पुलिस स्टेशन व पुलिस उपायुक्त परिमंडल -3 एवं पुलिस आयुक्त कार्यालय ठाणे में की गयी है। अब देखना है कि पुलिस जुगार के धंधे पर कब कार्यवाई करती है? या जुगार के माध्यम से लूटने वाले जुगार माफियाओं को संरक्षण प्रदान करती है.?

ठाणे शहर!

स्थानीय पुलिस की मदद से चलाया रहा जुगार?

जुगार माफिया और ठाणे पुलिस की आंख मिचौली ?

आनंद बंगेरा का का सट्टा जुगार जोरो पर .. जुगार के अवैध धंधे में है स्थानीय पुलिस की हिस्सेदारी ?

जनता पूछ रही है आखिर जुगार क्लब पर कब होगी कार्यवाई?

कलवा ठाणे। ठाणे जिले में अवैध रूप से चलने वाले जुगार के धंधों की भरमार है। अखबारों में बार बार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी पुलिस प्रशासन कर्तव्यविमूढ़ है। ऐसा लगता है कि अपने देश में बेईमानी और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ना टेढ़ी खीर साबित हो रही है। सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की चाशनी में ऐसा नहाया हुआ है कि उसे हमाम के साबुन से कितना भी नहलाओ लेकिन वो निकलने वाला नहीं है। अब तो पुलिस प्रशासन भी भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबा हुआ है। सट्टा, मटके और जुगार क्लब के धंधे में पुलिस प्रशासन की हिस्सेदारी ये दर्शाता है कि कानून व्यवस्था का कितना मजाक उड़ाया जा रहा है। यही कारण है कि जुगार जैसे अवैध धंधा करने वालों पर कोई भी कार्रवाई नहीं हो रही है। इस अवैध धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही पुलिस प्रशासन को.? सामाजिक संगठनों द्वारा की गई शिकायत और द रेड स्टार न्यूज़ अखबार में न्यूज देने के बावजूद पुलिस के आला अधिकारी और सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है।

गौरतलब हो कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा सट्टा, मटका, जुगार क्लब एवं झट-पट लाटरी पर प्रतिबन्ध होने के बावजूद ठाणे के परिमंडल 01 के कलवा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में मटका जुगार का धंधा पुलिस चौकी के नाक के सामने बड़े पैमाने पर चलाया जा रहा है। स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुशार जुगार माफिया आनंद बंगेरा एवं रम्या तांडेल एवं उसकी टीम द्वारा जुगार का धंधा बड़े पैमाने पर चलाया जा रहा है। यह जुगार का धंधा नेशनल होटल के पास कलवा नाका से पुणे मार्ग पर मटका जुगार का धंधा 20 से 25 राइटर के माध्यम से चलाया जाता है। इस जुगार के माध्यम से आने वाले ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी भी किया जाता है। जुगार माफिया एवं हिस्ट्रीशीटर रम्या तांडेल द्वारा खुलेआम चेलेंज देकर कहता है कि कलवा पुलिस स्टेशन के अधिकारियों से हमारे संबंध अच्छे हैं, उसका कहना है कि एसीपी, डीसीपी, क्राइम ब्रांच से लेकर सीपी ऑफिस तक हप्ता देकर धंधा चलाता हूँ ? स्थानीय पुलिस स्टेशन की भूमिका संदिग्ध होने के कारण कोई भी व्यापारी इन जुगार मफ़ियाओं से पंगा नहीं लेना चाहता। स्थानीय रहिवासियों एवं व्यापारियों ने न्यूज़ कार्यालय पर दूरसंचार के माध्यम से शिकायत करके कथित जुगार माफियाओं पर सख्त कार्यवाई के साथ साथ तड़ीपार करने की अपील की है। इस शिकायत पर न्यूज़ कार्यालय द्वारा लिखित रूप से स्थानीय कलवा पुलिस स्टेशन, पुलिस उपायुक्त परिमंडल 01 एवं पुलिस आयुक्त कार्यालय ठाणे में की गयी है। अब देखना है कि पुलिस जुगार के धंधे पर कब कार्यवाई करती है..? या जुगार के माध्यम से लूटने वाले जुगार माफियाओं को संरक्षण प्रदान करती है.?

Belly Fat कम करने के लिए नहीं पड़ेगी जिम जाने की जरूरत

बेली फैट बढ़ना अब एक आम समस्या बन चुकी है, जिससे कई लोग परेशान रहते हैं। फिजिकल एक्टिविटी कम करने, जंक फूड ज्यादा खाने और देर तक बैठे रहने की वजह से पेट की चर्बी बढ़ने लगती है। इसलिए अक्सर लोग यही सवाल कर रहे होते हैं कि बेली फैट कम कैसे करें। हालांकि आपको बता दें कि बेली फैट कम करना किसी जंग लड़ने से कम नहीं है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे तरीके के बारे में बताने वाले हैं, जो पेट की चर्बी करने के सबसे असरदार तरीकों में से एक है। हम बात कर रहे हैं योग की। कुछ योगासन खासकर बेली फैट कम करने के लिए हैं, जिन्हें रोज सिर्फ 10 मिनट करने से आप स्लिम और फ्लैट बेली पाने का सपना पूरा कर सकते हैं।

बेली फैट कम करने के लिए योगासन

पश्चिमोत्तानासन- यह आसन पेट की चर्बी कम करने के लिए बहुत प्रभावी है। यह आपके पेट के अंगों को मसाज देता है और आपके पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद करता है।

कैसे करें- अपने पैरों को अपने सामने सीधा करके बैठें। अपने हाथों को अपने पैरों की ओर ले जाएं और अपनी उंगलियों से अपनी पैर की उंगलियों को पकड़ने की कोशिश करें। अपने धड़ को आगे की ओर मोड़ें, जितना हो सके उतना अपने सिर को अपने घुटनों की ओर ले जाएं। इस स्थिति में कुछ सेकंड के लिए रुकें और फिर वापस आने की स्थिति में आ जाएं।

धनुरासन- यह आसन आपके पेट के अंगों को खींचता है और आपके पेट की चर्बी कम करने में मदद करता है। यह आपके ब्लड सर्कुलेशन को भी बेहतर बनाता है।

कैसे करें- अपने पेट के बल लेट जाएं। अपने घुटनों को मोड़ें और अपने हाथों से अपने टखनों को पकड़ें। अपने धड़ को ऊपर उठाएं, अपने पैरों को पीछे की ओर ले जाएं और अपने सिर को भी पीछे की ओर झुकाएं। इस स्थिति में कुछ सेकंड के लिए रुकें और फिर वापस आने की स्थिति में आ जाएं।

भुजंगासन- आपके पेट की मांसपेशियों को मजबूत करता है आपके पेट की चर्बी कम करने में मदद करता है। यह आपके रीढ़ की हड्डी को भी मजबूत करता है।

कैसे करें- अपने पेट के बल लेट जाएं। अपने हाथों को अपने कंधों के नीचे रखें और अपनी हथेलियों को जमीन पर रखें। अपने धड़ को ऊपर उठाएं, अपने छाती को खोलें और अपने सिर को पीछे की ओर झुकाएं। इस स्थिति में कुछ सेकंड के लिए रुकें और फिर वापस आने की स्थिति में आ जाएं।

उत्ताना पादासन- यह आसन आपके पेट के अंगों को खींचता है और आपके पेट की चर्बी कम करने में मदद करता है। यह आपके पाचन तंत्र को भी बेहतर बनाता है।

कैसे करें- सीधे खड़े हो जाएं और अपने पैरों को एक साथ रखें। अपने हाथों को ऊपर उठाएं और अपने हाथों को आपस में मिलाएं। अपने धड़ को आगे की ओर मोड़ें, जितना हो सके उतना अपने सिर को अपने पैरों की ओर ले जाएं। इस स्थिति में कुछ सेकंड के लिए रुकें और फिर वापस आने की स्थिति में आ जाएं।

नौकासन- यह आसन आपके पेट की मांसपेशियों को मजबूत करता है और आपके पेट की चर्बी कम करने में मदद करता है। यह आपके संतुलन और समन्वय को भी बेहतर बनाता है।

कैसे करें- अपनी पीठ के बल लेट जाएं और अपने हाथों को अपने शरीर के किनारों पर रखें। अपने पैरों को उठाएं और अपने धड़ को भी ऊपर उठाएं, अपने पैरों और धड़ को एक नाव के आकार में बनाएं।

रेड ब्लड सेल बनाने के लिए बेहद जरूरी है Vitamin B12

विटामिन बी12 शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए बेहद महत्वपूर्ण विटामिन में से एक है। हमारी शरीर इस विटामिन को बना नहीं पाती है। यही कारण है कि हमें हर हाल में अपनी डाइट से विटामिन बी12 की आपूर्ति करनी अति आवश्यक हो जाता है। शरीर में विटामिन बी12 की कई अहम भूमिका है। ये डीएनए सिंथेसिस में मदद करता है, ये रेड ब्लड सेल बनाने में मदद करता है जिससे एनीमिया जैसी बीमारियों से बचाव होता है, नर्व सेल के एक अहम हिस्से मायलिन शीथ की सामान्य कार्यशैली में मदद करता है, बर्थ डिफेक्ट से बचाव करता है, बोन हेल्थ को सपोर्ट करता है और ओस्टियोपोरोसिस से बचाव करता है।

ऐसे में विटामिन बी12 की कमी होने से शरीर को काफी नुकसान पहुंचा सकता है। इसकी कमी दो कारणों से हो सकती है, या तो डाइट में पर्याप्त मात्रा में विटामिन बी12 उपलब्ध न हो या फिर शरीर इसे अच्छे से एब्जॉर्ब न कर पा रहा हो। ये नॉन वेज फूड्स में नेचुरली पाए जाते हैं और साथ ही दूध, दही, चीज में भी पाया जाता है। विटामिन बी12 की कमी के संकेत कुछ आम लक्षणों से मेल खाते हैं, इसलिए इन्हें समझना बेहद जरूरी है। आइए जानते हैं विटामिन बी12 की कमी के संकेत...

स्किन पीली पड़ना- शरीर में विटामिन बी12 की कमी के वजह से रेड सेल प्रोडक्शन में कमी आ सकती है और जिससे एनीमिया हो सकता है और इसके कारण स्किन पीली पड़ जाती है।

कमजोरी और थकान- एनीमिया के कारण कमजोरी और थकान महसूस होती है। अगर आपको ऐसा कोई लक्षण नजर आए, तो समझ जाए कि विटामिन बी12 की कमी हो रही है।

सांस फूलना और चक्कर आना- शरीर में विटामिन बी12 की कमी होने पर ऑक्सीजन की कमी हो सकती है, जिससे सांस फूलने लगती है।

हाथ पैर में प्रिकलिंग सेंसेशन- हाथ और पैर में एक सिहरन और चुभन सी महसूस होती है, जिसे प्रिकलिंग सेंसेशन कहते हैं। ये लंबे समय तक विटामिन बी12 की कमी से जूझने पर महसूस होना शुरू होता है। नसों के इर्द-गिर्द मायलिन नाम की एक कवरिंग होती है, जो एक प्रकार से बचाव और इनसुलेशन का काम करती है। विटामिन बी12 इस मायलीन की कार्यशैली में मदद करता है और इसलिए इसकी कमी महसूस होने पर नर्वस सिस्टम अच्छे से काम करने में असमर्थ हो जाता है। इससे ये प्रिकलिंग सेंसेशन महसूस होता है।

पेट और दांतों से जुड़ी समस्याओं से दूर रखेगी एक लौंग

भारतीय मसाले के हर एक मसाले का अपना महत्व है। इन्हीं में से एक अहम मसाला है, लौंग जो कि पूरे शरीर के लिए कई मायनों में फायदेमंद है। लौंग को कई प्रकार की डिशेज में मिलाया जाता है, क्योंकि इसकी एक तेज खास महक इसे एक अलग फ्लेवर भी देती है। इसी तरह प्रतिदिन मात्र एक लौंग चबाने से हेल्थ को कई प्रकार के फायदे मिलते हैं। लौंग में एंटी-इंफ्लेमटरी और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जिससे खाना खाने के बाद एक लौंग चबाने से ब्लोटिंग, गैस और एसिडिटी से राहत मिलती है। लौंग के एंटी बैक्टीरिया गुण आंतों में मौजूद पैरासाइट को नष्ट करते हैं। ये भूख भी बढ़ाता है और साथ ही पाचन शक्ति भी बढ़ाता है, जिससे शरीर को स्फूर्ति मिलती है। ओरल हेल्थ के लिए लौंग का इस्तेमाल करने की जानकारी लगभग सभी को है। इसमें मौजूद एंटीसेप्टिक गुण इन्फेक्शन से लड़ने में मदद करते हैं, साथ ही लौंग का तेल मुंह के छालों और दांत दर्द के लिए बहुत फायदेमंद है। ये मुंह की बदबू भी दूर करता है। लौंग के एंटी-वायरल गुण कई बीमारियों से बचाव करने में मदद करते हैं। ये एक बेहतरीन एंटी-ऑक्सीडेंट है, जिससे ये शरीर को खतरनाक फ्री रेडिकल से बचाता है। इससे फ्लू जैसे संक्रमण से बचाव होता है। लौंग में विटामिन सी, के, फाइबर और मैंगनीज पाया जाता है, जो शरीर को जरूरी पोषक तत्व देने के साथ इंफ्लेमेशन से बचाव करता है और लिवर, बोन, डाइजेस्टिव और रेस्पिरेटरी हेल्थ के लिए कई मायनों में फायदेमंद होता है। लौंग में यूजेनॉल और फ्लेवोनॉयड जैसे हाइड्रो एल्कोहलिक कंपाउंड पाए जाते हैं जो बोन डेंसिटी बढ़ाते हैं और हड्डियों में मिनरल की मात्रा भी बढ़ाते हैं।

रोजाना घी में मिलाकर खाएंगे खजूर तो मिलेगा दोगुना लाभ

खजूर कई पोषक तत्वों से भरपूर एक ड्राई फ्रूट है। यह अपनी नेचुरल शुगर के लिए कई व्यंजनों में चीनी के विकल्प में भी इस्तेमाल किया जाता है। इसे खाने से सेहत को ढेरों फायदे मिलते हैं, लेकिन अगर आप घी के साथ इसे खाएं, तो इसके फायदे दोगुने हो जाते हैं। घी की प्रचुरता के साथ मिलकर खजूर और भी स्वास्थ्यवर्धक बन जाता है। हालांकि बेहद कम लोग ही घी में इसे मिलाकर खाने के फायदों के बारे में जानते होंगे। ऐसे आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे घी और खजूर साथ में खाने के कुछ हैरान करने वाले फायदों के बारे में जानते हैं...

एनर्जी बढ़ाए- खजूर में मौजूद नेचुरल शुगर तुरंत एनर्जी देती है, जिसकी वजह से इसे सुबह खाना काफी गुणकारी होता है। साथ ही इसमें मौदूज घी हेल्दी फैट होता है, जो लगातार एनर्जी देने के साथ ही आपके पेट को भरा हुआ महसूस कराता है।

हार्मोनल संतुलन- खजूर में नेचुरल शुगर होती है, जो हार्मोन को बैलेंस करने में मदद कर सकती है। वहीं घी अपने हेल्दी फैट के साथ हार्मोन प्रोडक्शन और रेगुलनेशन का समर्थन करता है।

आयरन की कमी से बचाए- घी मिलाने से खजूर में आयरन की मात्रा बढ़ जाती है, जो बेहतर अब्जॉर्प्शन को बढ़ावा देती है और शरीर में आयरन की कमी होने से रोकती है।

स्किन को हेल्दी बनाए- खजूर और घी का कॉम्बिनेशन त्वचा के स्वास्थ्य के लिए जरूरी पोषक तत्व प्रदान करता है। यह स्किन को चमकदार बनाता है, रंगत को बढ़ावा देता है और उम्र बढ़ने के संकेतों को रोकता है।

इम्युनिटी बढ़ाता है- खजूर में मौजूद पोषक तत्व, घी के एंटी-माइक्रोबियल गुणों के साथ मिलकर इम्युनिटी मजबूत बनाने में मदद करते हैं, जिससे शरीर को संक्रमण से लड़ने में मदद मिलती है।

पाचन स्वास्थ्य बेहतर बनाए- खजूर फाइबर से भरपूर होता है, जो पाचन में सहायता करता है और कब्ज को रोकता है। वहीं, घी के चिकनाई वाले गुण पाचन तंत्र को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं।

दिल को सेहतमंद बनाए- खजूर में पोटेशियम होता है, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करता है। साथ ही सीमित मात्रा में घी का सेवन किया जाने से शरीर को गुड फैट मिलता है, जो दिल को सेहतमंद बनाने में मदद करता है।

Flobby Arms की वजह से स्लीवलेस ड्रेस पहनने में आती है शर्म

हाथों के बाजुओं में जब फैट इकट्ठा हो जाता है, तो ये इन्हें अनटोन कर देता है जिससे ये फ्लैबी दिखने लगते हैं। पुरुषों की तुलना में महिलाओं के लिए ये अधिक चिंता का विषय बन जाता है, क्योंकि फ्लैबी आर्म्स पूरी पर्सनेलिटी को खराब कर देते हैं, जिससे कॉन्फिडेंस लो होने लगता है। ऐसे में किसी भी स्लीवलेस ड्रेस को पहनने में संकोच महसूस होता है।

फ्लैबी आर्म्स कई कारणों से हो सकता है जैसे मोटापा, हार्मोनल परिवर्तन, लाइफस्टाइल और कभी-कभी जेनेटिक के कारण भी होता है। अच्छी बात ये है कि घर बैठे फ्लैबी आर्म्स को टोन किया जा सकता है। कुछ एक्सरसाइज और अन्य टिप्स की मदद से आप इससे राहत पा सकते हैं। आइए जानते हैं कि कैसे घर बैठे टोन करें फ्लैबी आर्म्स-

पुश अप्स-

ये सबसे आसान और प्रचलित वर्कआउट में से एक है। इससे ट्राइसेप, बाइसेप्स और कंधे टोन होते हैं और फ्लैबी आर्म्स को कम करते हैं।

ट्राइसेप डिप्स-

ये एक बेहतरीन एक्सरसाइज है, जिसे घर बैठे आसानी से किया जा सकता है। किसी कुर्सी या सोफा के किनारे पर बैठें, पैरों को सीधा फैला लें और दोनों हाथों से पीछे सोफा पकड़ कर धीरे-धीरे नीचे जमीन तक जाएं और इसी तरह ऊपर आएं।

सिंगल आर्म प्लैंक-

ये शरीर को संतुलित बनाए रखता है और शरीर के ऊपरी हिस्से को मजबूत बनाता है। पुश अप की पोजिशन में बैठें और फिर एक हाथ को जमीन से ऊपर उठा कर पीछे की तरफ ले जाएं। शरीर को सीधा रखने की कोशिश करें। दूसरे हाथ से प्रक्रिया दोहराएं।

वेट लिफ्टिंग करें-

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और रेजिस्टेंस ट्रेनिंग करें, डंबल उठाएं। इससे टोटल फैट कम होता है और मसल मास और मजबूती बढ़ती है जिससे फ्लैबी आर्म्स कम होती हैं और टोन होती हैं।

डाइट का ध्यान दें-

फ्लैबी आर्म्स को कम करना है, तो अपनी कैलोरी पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। इंसुलिन स्पाइक करने वाले फूड्स का सेवन न करें। फल, सब्जी, दाल, साबुत अनाज, लीन प्रोटीन और नट्स का सेवन करें। मात्र फ्लैबी आर्म्स को कम करने की कोई खास डाइट नहीं होती है, इसके लिए टोटल फैट कम करना ही एकमात्र विकल्प है।

ब्लैक कॉफी से करते हैं दिन की शुरूआत?

सुबह की शुरुआत एक कप कॉफी से करना कई लोगों की आदत-सी हो गई है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ब्लैक कॉफी आपकी सेहत के लिए कई मायनों में फायदेमंद, तो वहीं कुछ मामलों में नुकसानदायक भी हो सकती है? जी हां, जैसे हर सिक्के के दो पहलु होते हैं, ठीक उसी तरह ब्लैक कॉफी भी फायदों के साथ-साथ कुछ साइड इफेक्ट्स भी लेकर आती है जिन्हें जानना आपके लिए बेहद जरूरी है।

डायबिटीज से राहत- कई स्टडी से इस बात की जानकारी मिलती है कि ब्लैक कॉफी पीने से टाइप 2 डायबिटीज का खतरा कम हो सकता है। ब्लैक कॉफी शरीर में इंसुलिन के प्रोडक्शन को बढ़ावा देती है जिससे ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है।

स्ट्रेस दूर करे- बिजी लाइफस्टाइल में तनाव और थकान आम बात है, लेकिन ब्लैक कॉफी में मौजूद कैफीन आपके दिमाग को तुरंत एक्टिव कर देता है जिससे आप तरोताजा महसूस करते हैं और स्ट्रेस कम होता है।

वेट लॉस- अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो ब्लैक कॉफी आपकी मदद कर सकती है। बता दें, ब्लैक कॉफी में कैलोरी बहुत कम होती है और यह आपके मेटाबॉलिज्म को बढ़ाकर वजन कम करने में काफी बड़ा रोल प्ले करती है। इसके साथ ही, ब्लैक कॉफी पाचन में भी सुधार करती है, मूड को बेहतर बनाती है और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होने के कारण बॉडी को फ्री रेडिकल डैमेज से भी बचाती है।

ब्लैक कॉफी के नुकसान -

नींद की कमी और बेचैनी- ब्लैक कॉफी में कैफीन की मात्रा ज्यादा होती है, ऐसे में यह आपके ब्रेन को एक्टिव कर देती है जिससे स्लीपिंग शेड्यूल बिगड़ सकता है। जी हां, ज्यादा ब्लैक कॉफी पीने से आपको नींद न आने की समस्या और चिंता, बेचैनी के साथ घबराहट वगैरह भी हो सकती है।

पाचन से जुड़ी समस्याएं- ब्लैक कॉफी में मौजूद एसिड और कैफीन एसिडिटी, गैस और पाचन संबंधी अन्य समस्याएं पैदा कर सकते हैं। अगर आप पहले से ही पेट की समस्याओं से परेशान हैं, तो ब्लैक कॉफी का सेवन आपके लिए और भी नुकसानदायक साबित हो सकता है।

हार्ट के मरीज करें परहेज- ज्यादा मात्रा में कैफीन हार्ट रेट को बढ़ा सकता है और हाई ब्लड प्रेशर की वजह बन सकता है। यही वजह है कि यह हार्ट डिजीज से पीड़ित लोगों के लिए खतरनाक हो सकता है।

गर्भवती महिलाओं के लिए नुकसानदायक- गर्भवती महिलाओं को ब्लैक कॉफी का सेवन सीमित मात्रा में या बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए क्योंकि ज्यादा मात्रा में कैफीन होने वाले शिशु के विकास को प्रभावित कर सकता है और गर्भपात का खतरा बढ़ा सकता है।

कैफीन की लत- ज्यादा मात्रा में ब्लैक कॉफी पीने से कैफीन की लत लग सकती है, जिससे छुटकारा पाना बेहद मुश्किल हो सकता है और इससे सिरदर्द, थकान और चिड़चिड़ापन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

गर्म पानी में शहद और नींबू के हैं ढेरों फायदे

वजन कम करने के लिए आपने कई लोगों से सुना होगा कि गर्म पानी में नींबू और शहद मिलाकर पीने से वजन कम होता है। शहद और नींबू में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स और अन्य एंजाइम्स बॉडी को डिटॉक्स करने और मेटाबॉलिज्म बढ़ाने में मदद करते हैं। इससे वजन कम करने में सीधे रूप से फायदा मिलता है, इसमें कोई शक नहीं है।

एसिड रिफ्लक्स एक ऐसी स्थिति है, जिसमें पेट की सामग्री वापस मुंह में आ जाती है। ऐसा पेट की एसिडिटी बढ़ने की वजह से होता है। ऐसे में जिन लोगों को ये परेशानी होती है,उन्हें गर्म पानी में नींबू और शहद पीने से एसिड रिफ्लक्स की समस्या बढ़ सकती है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि लेमन में साइट्रिक एसिड होता है जो पेट में एसिड को बढ़ा सकता है। गैस्ट्रिक अल्सर एक ऐसी स्थिति है जिसमें पेट में छाले हो जाते हैं।

गर्म पानी में शहद और नींबू पीने से गैस्ट्रिक अल्सर की समस्या बढ़ सकती है। नींबू में मौजूद एसिड अल्सर को और बढ़ा सकता है, जिससे ये समस्या गंभीर हो सकती है। साथ ही, शहद की गर्म तासीर गर्म होती है, जिससे भी ये समस्या बढ़ सकती है। किडनी स्टोन यानी किडनी में पत्थरी से पीड़ित लोगों को गर्म पानी में शहद और नींबू नहीं पीना चाहिए।

ऐसा करने से किडनी स्टोन की समस्या बढ़ सकती है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि लेमन में साइट्रिक एसिड होता है जो किडनी में कैल्शियम ऑक्सलेट की मात्रा को बढ़ा सकता है। गर्म पानी में शहद के साथ नींबू पीने से दांतों की समस्या बढ़ सकती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि नींबू में साइट्रिक एसिड होता है, जो दांतों के इनेमल को कमजोर कर सकता है। इससे दांतों में सड़न और सेंसिटिविटी की समस्या हो सकती है।

Dr.B.M.PAL
B.H.M.S., MD (AM)
PG-DCC, (GERMANY)
PHYSICIAN & CLINIC COSMETOLOGIST

SHREE SAI CLINIC

Timing: Morn. 09:30 am to 01:30 pm
Eve. 5.30 pa to 10.30

Shop No.004, Vaibhav Darshan, Near ST.THOMOS CHURCH,
Sai Baba Nagar, Mira Road (E), Mob.: 9324771128

मानवाधिकार फाउंडेशन
मा.अखिलेश उपाध्याय
(एडवोकेट हाईकोर्ट)
कानूनी सलाह एवं कानूनी निपटारे के लिए संपर्क करें
09, विभाको बिल्डिंग, मामलेतदार वाडी,
मालाड (पश्चिम), मुंबई-400064.
मो. 9004102640-8693863320

TASK PROTECTION FORCE

सुरक्षा कंपनी में भर्ती के लिए तत्काल संपर्क करे

सुरक्षा गार्ड, सुरक्षा सुपरवाईजर, ड्राइवर, बाउंसर, स्वीपर एवं
अन्य कार्य के लिए पासपोर्ट साइज के 07 फोटो, आधार कार्ड,
लिविंग सर्टिफिकेट, अनुभव सर्टिफिकेट, ड्राइविंग लाइसेंस के साथ संपर्क करे ..

Mob. 9115359587 / 8850869519 / 9321445870

संपर्क कार्यालय : 09, विभाको बिल्डिंग, मामलेतदारवाड़ी मेन रोड नं. 01,
(लिबर्टी गार्डेन रोड), मालाड (पश्चिम), मुंबई-400064